डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-aadhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG,5

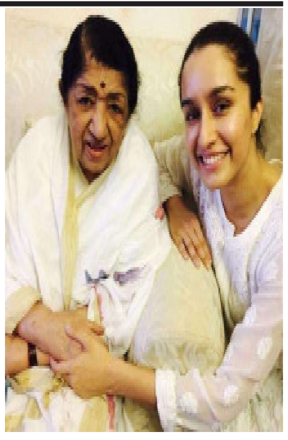

PG,8

सिनेमाःश्रद्धा कपूर ने शेयर की लता मंगेशकर के साथ अपनी थ्रोबैक तस्वीरें

वर्ष -07 अंक -335 | प्रयागराज, बुधवार 09 फरवरी, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

बदलाव का वाहक बन रहा ड्रोन, सीमाओं की सुरक्षा करने के साथ-साथ फसलों की भी करेगा सुरक्षा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अब मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट की तरह ही ड्रोन के प्रयोग को भी आधुनिक जीवन का एक अंग बनाने की कोशिश कर रही है। ड्रोन के उपयोग को मिशन की तरह बढ़ावा दिया जाएगा। कुछ वैसे ही जैसे जल शक्ति मिशन के तहत घर-घर पानी पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया था। जाहिर है देश में ड्रोन का इस्तेमाल अब सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रोजमर्रा के जीवन में हर जगह इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। इंडस्ट्री से लेकर आपदा प्रबंधन में इसका प्रयोग किया जा सकेगा। इसका इस्तेमाल जवान से लेकर किसान तक करेंगे। यानी ड्रोन सीमाओं की सुरक्षा करने के साथ-साथ खेतों में फसलों की भी सुरक्षा करेगा। इस प्रकार यह लोगों की जरूरत की चीज बन जाएगा।कृषि क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल पर केंद्र सरकार काफी फोकस कर रही है।

पीएम मोदी के आरोपों पर प्रियंका गांधी का पलटवार, बोलीं- वे क्या चाहते थे कि मजदूरों को असहाय छोड़ देते

पणजी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रवासी मजदूरों को लेकर लगाए गए आरोपों के लिए पीएम मोदी पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि क्या पीएम यह चाहते थे कि जब मजदूर अपने घर वापस लौट रहे थे तो उन्हें असहाय छोड़ दिया जाता। बता दें कि प्रधानमंत्री ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि कांग्रेस ने कोरोना महामारी के दौरान मुंबई के मजदूरों को मुफ्त ट्रेन की टिकट दी, जिस कारण बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर दूसरे राज्यों में पहुंचे। इस वजह से पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में कोरोना के मामलों में इजाफा हुआ। का कोई रास्ता नहीं था जो पैदल वापस आ रहे थे क्या वह (पीएम) चाहते थे कि कोई उनकी मदद न करे मोदी जी क्या चाहते थे प्रियंका ने पीएम मोदी की रैलियों को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, जो बड़ी-बड़ी रैलियां की गई हैं।

अगर कांग्रेस ना होती तो इमरजेंसी का कलंक, सिखों का नरसंहार ना होता- पीएम मोदी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र की कार्यवाही आज भी जारी है। संसद के दोनों सदनों राज्यसभा और लोकसभा में चर्चा की जाएगी। पीएम नरेन्द्र मोदी राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभि भाषण पर

धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दे रहे है कांग्रेस जब सत्ता में रही, देश का विकास नहीं होने दिया। अब विपक्ष में है तो देश के विकास में बाधा डाल रही है। कांग्रेस को नेशन पर भी आपत्ति है। यदि नेशन इसकी कल्पना गैर संवैधानिक है तो आपकी पार्टी का नाम इंडियन नेशनल कांग्रेस क्यों रखा गया नाम बदलकर आपको फेडरेशन आफ कांग्रेस करना चाहिए। कांग्रेस को अपने पूर्वजों की गलती को सुधारना चाहिए। - पीएम मोदी ने कहा कि महात्मा गांधी की इच्छा के अनुसार, अगर कांग्रेस ना होती तो लोकतंत्र परिवारवाद से मुक्त होता। भारत विदेशी चश्मे के बजाय स्वदेशी संकल्पों के रास्ते पर चलता। इमरजेंसी का कलंक ना होता। अगर कांग्रेस ना होती तो दशकों तक भष्टाचार को संस्थागत बनाकर नहीं रखा जाता। कांग्रेस ना होती तो जातिवाद और क्षेत्रवाद की खाई इतनी गहरी ना होती। सिखों का नरसंहार ना होता। सालों-साल पंजाब आतंकी आग में ना जलता। कश्मीर के पंडितों को कश्मीर छोड़ने की नौबत नहीं आती। कांग्रेस ना होती तो बेटियों को तंदूर में जलाने की घटनाएं ना होती। देश के सामान्य इंसान को घर, सड़क, बिजली, पानी शौचालय मूल सुविधाओं के लिए इतने सालों तक इंतजार करना नहीं पड़ता। जब हमने कोविड पर एक सर्वदलीय बैठक बुलाई और केंद्र सरकार एक प्रस्तुति देने के लिए तैयार थी, तो कई दल नहीं आए। पार्टियां राष्ट्रीय स्थिति के आधार पर एक बैठक का बहिष्कार कर रही थीं। महंगाई ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। अमेरिका 40 साल में सबसे ज्यादा और ब्रिटेन 30 साल में सबसे ज्यादा महंगाई का सामना कर रहा है। यूरो वाले देश भी अपनी मुद्रा के रूप में अभूतपूर्व मुद्रास्फीति का सामना कर रहे हैं। ऐसे में हमने महंगाई पर काबू पाने की कोशिश की है। 2015-2020 के बीच यह दर 4-5 के बीच थी। यूपीए के दौरान महंगाई दहाई अंक में थी।कुछ राजनीतिक दलों के नेताओं ने पिछले 2 वर्षों में अपरिपक्वता दिखाई है जिसने देश को निराश किया है। हमने देखा है कि कैसे राजनीतिक स्वार्थ के कारण खेल खेले जाते रहे हैं। भारतीय वैक्सीन के खिलाफ अभियान चलाए गए। साल 2021 में एक करोड़ 20 लाख लोग ईपीएफओ से जुड़े हैं। ये फार्मल जाब हैं। इनमें से 65 लाख 18 से 25 साल की उम्र के लोग हैं। इन लोगों की पहली बार जाब मार्केट में एंट्री हुई है। यूपी और तमिलनाडु में डिफेंस कारिडोर बना रहे हैं, जिस तरह से क्षेत्र के लोग डिफेंस सेक्टर में आ रहे हैं ये उत्साहवर्धक है और दिखाता है कि देश के लोगों में सामर्थ्य है। देश को डिफेंस के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए के लोग बहुत साहस जुटा रहे हैं- पीएम मोदी कोरोना के दौरान 5 करोड़ ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ नल के पानी के कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। ये एक नया रिकार्ड है।कोरोना के दौरान बहुत सारी बाधाओं के बावजूद हमने गरीबों और जरूरतमंदों को घर उपलब्ध कराने के लिए काम करना जारी रखा। यह सदन कोरोना के दौरान हमारे स्वास्थ्य सेवा और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कार्यो की प्रशंसा करता है। यह उन्हें और प्रेरित करेगा। आज देश आजादी का अमृत महोत्सव, अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष मना रहा है। राष्ट्र को दिशा देने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। कई नई पहल की गई हैं, जबकि अच्छी पहल जारी है।कोरोना महामारी के दौरान हमारे देश के युवाओं ने अपनी पहचान बना कर देश को गौरवान्वित किया है। हमारे युवाओं ने खेल के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई और महामारी के कारण अपने प्रदर्शन को प्रभावित नहीं होने दिया और देश का नाम रोशन किया- पीएम पहले लाकडाउन के दौरान काफी विचार-विमर्श और थोड़े साहस के साथ तय हुआ कि गांवों के किसानों को लाकडाउन से छूट दी जाए। यह एक महत्वपूर्ण निर्णय था, जिसके परिणामस्वरूप महामारी के दौरान भी बंपर उत्पादकता थी।इस बात पर चर्चा हुई कि भारत की वजह से दुनिया पर क्या असर पड़ेगा, लेकिन देश के 130 करोड़ लोगों की इच्छाशक्ति और अनुशासन के कारण भारत के प्रयासों की दुनिया भर में सराहना हो रही है इस कोरोना काल में 80 करोड़ से भी अधिक देशवासियों के लिए इतने लंबे कालखंड के लिए मुफ्त में राशन की व्यवस्था की गई, ताकि ऐसी स्थिति कभी पैदा न हो कि उनके घर का चूल्हा न जले। भारत ने ये काम करके दुनिया के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।100 साल में मानव जाति ने इतना बड़ा संकट नहीं देखा। मानव जाति के लिए बड़ा संकट था। ये संकट बहरूपिया है। पूरा देश और दुनिया इसके खिलाफ लड़ाई लड़ रही है- पीएम मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जवाब दे रहे हैं पीएम नरेन्द्र मोदी भाजपा सांसद महेश पोद्दार ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय पर अत्याचार का मुद्दा उठाया राज्यसभा की कार्यवाही जारी आम बजट 2022-23 पर आज से राज्यसभा में चर्चा की शुरुआत होगी, लोकसभा में इस चर्चा को आगे बढ़ाया जाएगा। ग्रामीण विकास और पंचायती राज संबंधी ससंदीय समिति, रेल संबंधी स्थायी समिति और उद्योग संबंधी स्थायी समिति की रिपोर्ट संसद के दोनों सदनों में पेश की जाएगी अधीनस्थ विधान समिति की रिपोर्ट लोकसभा में पेश की जाएगीसंसद के दोनों सदनों में सभा पटल पर मंत्रालयों और विभागों से संबंधित कई महत्वपूर्ण पत्र रखे जाएंगे लोकसभा की संचार और सूचना प्रौद्योगिकी समिति, लोक लेखा समिति और सबआर्डिनेट लेजिस्लेशन समिति की बैठक होगी।

भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए दो विधायकों का दावा- कई पार्टी छोड़ने को तैयार

नई दिल्ली। त्रिपुरा में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। विधायक सुदीप राय बर्मन और आशीष कुमार साहा मंगलवार को कांग्रेस कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। पार्टी में शामिल होने के बाद सुदीप रॉय बर्मन ने कहा, मेरे साथ आशीष कुमार साहा भी पार्टी भी शामिल

में शामिल हो गए हैं। दोनों विधायकों ने सोमवार को भाजपा को अलविदा कह दिया था। सुदीप राय और आशीष कुमार ने स्पीकर रतन चक्रवर्ती से मुलाकात कर उन्हें अपना इस्तीफा सौंप दिया। भाजपा से इस्तीफा देने के बाद दोनों दिल्ली आ गए थे। दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास पहुंचकर दोनों पार्टी में शामिल हो गए। सुदीप राय बर्मन ने बड़ा दावा किया है। सुदीप राय ने दावा किया है कि त्रिपुरा में कई विधायक पार्टी छोड़ने के लिए तैयार हैं। तकनीकी कारणों की वजह से वो दो-तीन महीने और रुकना चाहते हैं। दिल्लीः सुदीप रॉय बर्मन और आशीष कुमार साहा हुए हैं लेकिन तकनीकी कारणों की वजह से वो दो-तीन महीने और रूकना चाहते हैं। बता दें कि सुदीप राय बर्मन ने पहले ही अपने बागी तेवर दिखा दिए थे। बर्मन ने कुछ दिन पहले त्रिपुरा सरकार पर हमला करते हुए कहा था कि राज्य में लोकतंत्र नहीं है और यहां लोगों का दम घुट रहा है। उन्होंने ये भी कहा था कि वह लोगों की राय लेने के बाद अपने भविष्य पर फैसला करेंगे।त्रिपुरा में अगले साल 2023 में विधानसभा चुनाव होने हैं। गौरतलब है कि 60 सदस्यीय विधानसभा में दो विधायकों के इस्तीफे के साथ भाजपा की संख्या अब 33 हो गई है।

अरुणाचल प्रदेश के कामेंग सेक्टर में हुए हिमस्खलन में भारतीय सेना के सात जवान शहीद

नई दिल्ली। 6 फरवरी को अरुणाचल प्रदेश के कामेंग सेक्टर के ऊंचाई वाले इलाके में भारी हिमस्खलन हुआ था। इसकी चपेट में आए सेना के सात जवानों के शहीद होने की पुष्टि हो गई है। उनके शव हिमस्खलन स्थल से निकाले गए हैं। यह जानकारी भारतीय सेना ने दी है। पिछले रविवार को अरुणाचल प्रदेश में सीमावर्ती क्षेत्र में गश्त के दौरान सेना के सात जवान हिमस्खलन में फंस गए थे। उनको बचाने के लिए विशेष प्रयास किया गया। इसके लिए बाहर से विशेष टीमें भी बुलाई गई थी। सेना ने सोमवार को बताया था कि यह हादसा राज्य के कामेंग सेक्टर में ऊंचाई वाले इलाके में रविवार को हुआ। जवान सीमावर्ती क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। तभी अचानक हिमस्खलन होने से वो उसमें फंस गए थे। इस घटना की सूचना मिलते ही सेना ने तलाशी और बचाव अभियान शुरू कर दिया था, लेकिन जवानों को बचाया नहीं जा सका। सेना ने यह भी बताया कि पिछले कुछ दिनों से उपरोक्त इलाके में मौसम बहुत खराब बना हुआ है। भारी हिमपात हो रहा है। कामेंग क्षेत्र अरुणाचल प्रदेश का पश्चिमी इलाका है। भारतीय सेना की पूर्वी कमान इस क्षेत्र में 1,346 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करती है।

केरल सोना तस्करी मामलाः ईडी ने स्वप्ना सुरेश को बुधवार को कोच्चि कार्यालय में पेश होने को कहा

कोच्चि। केरल सोना तस्करी मामले में मुख्य आरोपी स्वपन सुरेश एक बार फिर मुश्किलों में घिर गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्वपन सुरेश को अपने कार्यालय में पेश होने का बुलावा भेजा है। बता दें कि ने सुरेश को कल यानी कि बुधवार सुबह 11 बजे कार्यालय आने के लिए कहा

है। ईडी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से अथवा किसी अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से पेश होने का निर्देश दिया है।हाल ही में सपना सुरेश ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के प्रधान सचिव एम शिवशंकर पर आरोप लगाया था, जिसमें सुरेश ने कहा कि एम शिवशंकर ने उनका शोषण और उनके साथ दिमागी तौर पर हेराफेरी की थी। आपको बता दें कि सपना सुरेश का यह बयान, शिवशंकर की अपनी आगामी आत्मकथा 'अश्वथामावुः वेरुम ओरु आना' के बाद आया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि स्वपन सुरेश ने उन्हें एक आईफोन उपहार में देकर फंसाया था। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अपनी पुस्तक में, उन्होंने आरोप लगाया कि स्वपन ने उन्हें धोखा दिया था और वह सोने की तस्करी रैकेट की मास्टरमाइंड थी। बता दें कि केरल उच्च न्यायालय द्वारा एम शिवशंकर अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने के बाद उन्हें 28 अक्टूबर, 2020 को गिरफ्तार किया गया था। शिवशंकर को पिछले साल 4 फरवरी को जमानत पर रिहा किया गया था। केरल में यह मामला सोने की तस्करी से जुड़ा है।

हिजाब विवादः कर्नाटक हाईकोर्ट में हिजाब विवाद पर सुनवाई जारी, महात्मा गांधी मेमोरियल कालेज में आमने-सामने आए छात्र

उडुपी ।कर्नाटक में शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब के मुद्दे पर मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस कृष्णा दीक्षित ने मामले की सुनवाई की। उन्होंने कहा कि इस मामले में जो भी फैसला होगा, वह सभी याचिकाओं पर लागू होगा। साथ ही कोर्ट ने कुछ और दस्तावेज भी मांगे हैं। कोर्ट सभी डाक्यूमेंट्स पहुंचने के बाद इस पर सुनवाई शुरू करेगा। हालांकि, हाईकोर्ट की सुनवाई से पहले ही उडुपी के महात्मा गांधी मेमोरियल कालेज में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। हिजाब पहनकर विरोध प्रदर्शन कर रही छात्राओं के सामने भगवा गमछा पहनकर पहुंचे छात्रों ने हंगामा किया। बताया जा रहा है कि, कुछ छात्राएं महात्मा गांधी मेमोरियल कालेज परिसर में हिजाब विवाद को लेकर प्रदर्शन कर रही थी। तभी वहां छात्रों का एक समूह पहुंच गया। इस दौरान भगवा गमछा पहने छात्रों ने छात्राओं के सामने ही नारेबाजी शुरु कर दी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने जूनियर कालेज के छात्रों से मामला खत्म होने तक यूनिफार्म को लेकर सरकार की तरफ से जारी नियमों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि, सभी संबंधित लोगों को शांति बनाए रखनी चाहिए और बच्चों को पढ़ने देना चाहिए। मामला आज हाई कोर्ट में पेश किया जाएगा, इसका इंतजार करें। बता दें कि, कर्नाटक में हिजाब पहनने पर विवाद 6 छात्राओं को हिजाब पहनने पर कक्षाओं में प्रवेश न करने देने से हुआ था। इसके चलते हिजाब पहनने वाली छात्राओं को आनलाइन क्लास का विकल्प अपनाने को कहा गया था। छात्राओ ने कालेज के फैसले को मानने से इनकार कर दिया था और हाईकोर्ट में इसके खिलाफ याचिका भी दायर की है। इसके साथ ही छात्राओं ने इस फैसले के विराध में कक्षाओं का बहिष्कार कर रखा था।

बदलाव का वाहक बन रहा ड्रोन, सीमाओं की सुरक्षा करने के साथ-साथ फसलों की भी करेगा सुरक्षा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अब मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट की तरह ही ड्रोन के प्रयोग को भी आधुनिक जीवन का एक अंग बनाने की कोशिश कर रही है। ड्रोन के उपयोग को मिशन की तरह बढ़ावा

दिया जाएगा। कुछ वैसे ही जैसे जल शक्ति मिशन के तहत घर-घर पानी पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया था। जाहिर है देश में ड्रोन का इस्तेमाल अब सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रोजमर्रा के जीवन में हर जगह इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। इंडस्ट्री से लेकर आपदा प्रबंधन में इसका प्रयोग किया जा सकेगा। इसका इस्तेमाल जवान से लेकर किसान तक करेंगे। यानी ड्रोन सीमाओं की सुरक्षा करने के साथ-साथ खेतों में फसलों की भी सुरक्षा करेगा। इस प्रकार यह लोगों की जरूरत की चीज बन जाएगा।कृषि क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल पर केंद्र सरकार काफी फोकस कर रही है। ड्रोन में सेंसर और कैमरा जैसी महत्वपूर्ण तकनीकी विशेषताएं होती हैं। ड्रोन के जरिये खेती की कई महत्वपूर्ण समस्याओं जैसे- फसलों में कहां रोग लगा है, कहां कीट लगे हैं, फसलों में किस पोषक तत्व की कमी है, आदि का पता लगाया जा सकता है। ड्रोन का प्रयोग फसल मूल्यांकन, भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण, पौधों की वृद्धि की निगरानी आदि के लिए भी किया जाएगा, जिससे किसानों को काफी मदद मिलेगी। समय पर बीमारियों का पता चलने से किसानों की इनपुट लागत कम होगी और उत्पादन बढ़ सकेगा। इससे एक बड़े क्षेत्रफल में महज कुछ घंटों में ही कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया जा सकता है। जिससे किसानों के समय की बचत होगी। सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि सही समय पर खेती में कीट प्रबंधन किया जा सकेगा। देश के विभिन्न राज्यों में पिछले साल टिड्डियों के हमले को रोकने के लिए पहली बार ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था।विशेषज्ञों का मानना है कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश में ड्रोन तकनीक से दक्ष कामगार तैयार करना एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा। इसके लिए केंद्र सरकार इस साल ड्रोन सेक्टर में स्टार्टअप को बढ़ावा देगी। देश के युवा अगर ड्रोन उद्योग में शुरुआत करना चाहते हैं तो केंद्र सरकार उनकी मदद करेगी। सरकार देसी ड्रोन को बढ़ावा देने के लिए नीति में बदलाव कर रही है। ड्रोन नियम 2021, ड्रोन इंडस्ट्री के लिए पीएलआइ योजना और कृषि क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले ड्रोन के लिए अनुदान जैसे उपायों से क्षेत्र को तेजी मिलेगी।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आइईडी विस्फोट, चार सीआरपीएफ के जवान घायल

नई दिल्ली।छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले आइईडी विस्फोट में चार सीआरपीएफ जवानों के घायल होने की खबर सामने आई है। घायल जवान को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा जिले के मोदकपाल थाना क्षेत्र में हुआ है। आईजी बस्तर पी सुंदरराज द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक अभी तक हादसे में किसी के मारे जाने की खबर नहीं है। अपडेट जारी है पिछले दिनों कांकेर में नक्सलियों द्वारा लगाए आइईडी के चपेट में आने से एसएसबी का जवान घायल हुआ था। रेलवे लाइन विस्तार कार्य की सुरक्षा के लिए सशस्त्र सीमा बल के जवान गश्त पर निकले थे। इसी दौरान एक जवान आईईडी की चपेट में आ गया। मौके पर घात लगाए नक्सलियों ने विस्फोट के बाद जवानों पर हमला भी किया। लेकिन जवानों द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में नक्सली मोर्चा छोड़ कर भाग निकले वहीं, 20 जनवरी को दंतेवाड़ा और सुकमा जिले की सीमा पर सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में पांच लाख के इनामी एरिया कमेटी मेंबर मड़कम मुइया मार गिराया गया था। जिसके बाद चिंतागुफा थाना क्षेत्र के करीगुंडम और माटेमरका के जंगलों में सुरक्षाबलों ने नक्सली कैंप ध्वस्त कर दिया।

साथी की हुई पिटाई,आरोपी पर कार्यवाही नहीं,किया कार्य का बहिष्कार

(आधुनिक समाचार सेव)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। थाना क्षेत्र जेठवारा के शमशेरगंज फीडर क्षेत्र के सराय लोहंगराय में लाइनमैन को मारने पीटने पर आक्रोशित हुए विद्युत कर्मियों ने कार्य का बहिष्कार किया। अवर अभियंता शैलेंद्र यादव की अगुवाई में विद्युत कर्मियों ने जेठवारा थाने की चुप्पी और आरोपी के खिलाफ कार्यवाही न करने पर विद्युत आपूर्ति काटकर कार्य का बहिष्कार किया।अवर अभियंता ने जेठवारा पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि सराय लोहंगराय में संविदा पर कार्य कर रहा लाइनमैन हरिकेश विश्वकर्मी सुत राम लखन विश्वकर्मा निवासी सिन्धौर थाना जेठवारा के सराय लोहंगराय के जगननाथ प्रसाद यादव का कनेक्शन जोड़ने गया था। कनेक्शन जोड़ते समय उस गाँव के मो0रसीद ने उसे कनेक्शन जोड़ने से मना किया और उसे भद्दी-गालियाँ देते हुए मारा पीटा और 130 मीटर केबिल जिसकी कीमत रूपये 21580 बिजली विभाग ने बताई है छीन ले गए। लाइनमैन की ओर से अवर अभियंता ने थाने में तहरीर दी लेकिन जेठवारा पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की।इससे नाराज होकर विद्युत कर्मियों ने आपूर्ति काटकर कार्य का बहिष्कार किया। पुलिस पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए विद्युत कर्मियों ने कहा कि मोहम्मद रसीद पूर्व प्रमुख पति मोहम्मद हफीज फिज्जू का भाई है।राजनैतिक पैठ के कारण उसके विरुद्ध कार्यवाही न करना यह दर्शाता है कि सरकारी कर्मचारियों की सुरक्षा जेठवारा पुलिस किसी भी प्रकार अपने जिम्मे में नहीं लेना चाहती है। विद्युत कर्मियों द्वारा कार्य का बहिष्कार करने से आम लोगों को विद्युत के अभाव में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

डीएम, एसएसपी पहुंचे फूलपुर थाना, जाना चुनावी तैयारियों की हकीकत

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। जिलाधिकारी संजय खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार प्रयागराज सोमवार दोपहर बाद फूलपुर थाने औचक जा पहुंचे। थाना का मुआयना

गंभीरता से किया। रजिस्टरो, असलहो का रखरखाव तथा पुलिस द्वारा चुनावी तैयारियों का जायजा लिया। अपराधियों, हिस्ट्रीशीटर आदि की जानकारी ली। प्रभारी थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय ने बताया। कि साढ़े बासठ प्रतिशत असलहे जमा हो चुके हैं। जबकि 2700 के विरुद्ध गुंडा एक्ट में चालानी रिपोर्ट प्रेषित की गई है। 650 प्रोसेस में है। अधिकारी द्वय ने कहा। कि अभी समय है। जो छूट रहे हो उसकी सूची पुनः बना ली जाए। अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए। चुनाव प्रभावित करने वालों पर निगरानी रखें। कहीं किसी भी गांव में चुनाव के दिन कोई गड़बड़ी या लड़ाई झगड़ा ना हो। सीओ फूलपुर रामसागर ने भी अब तक की तैयारियों के बारे में विधिवत जानकारी दी और कानून व्यवस्था हर हालत में दुरुस्त रखने हेतु आश्वासन दिया। जिला अधिकारी संजय खत्री ने थाना भवन के रखरखाव, स्वच्छता आदि के बारे में वरिष्ठ पत्रकार से भी जाना। पुराना थाना भवन, नया थाना भवन आदि की भी जानकारी ली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने भी मीडिया बंधुओं का परिचय लिया।

मुबारकपुर रोड के खतरनाक गड्ढे की जानकारी डीएम को दी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। मुबारकपुर रोड पर शारदा सहायक खंड 39 की सौरहा माइनर की पुलिया बीचो बीच सड़क ध्वस्त हो जाने की बात फोटो सहित प्रमुख समाजसेवी महमूद भाई ने जिलाधिकारी प्रयागराज के व्हाट्सएप पर भेज कर कार्यवाही की मांग की। बता दें कि स्थानीय लोगों के अनुसार बीती रात एक चार पहिया वाहन का अगला चक्का गड्ढे में चले जाने से वाहन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया सवारिया बाल-बाल बच गई समाजसेवी ने जिलाधिकारी से चुनाव पूर्व मरम्मत कराने का निवेदन किया अन्यथा चुनाव कार्यो में बाधा आ सकती है।

यूपी चुनाव में भाजपा के संकल्प पत्र में संगम नगरी को मेट्रो का वादा

प्रयागराज। भाजपा ने अपना लोक कल्याण पत्र 2022 जारी कर दिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे जारी करते हुए कहा कि भाजपा ने जो कहा सो किया। यह भी भरोसा दिलाया कि यह संकल्प पत्र अगले पांच वर्षों में लोगों के जीवन में परिवर्तन लेकर आएगा। अब तक किए वादे पर गौर करें तो भाजपा नेताओं ने यूपी को दंगा मुक्त बनाने और बेटियों को सुरक्षित करने का दावा किया है। यहां तक कि कांवड यात्रा निकालने को भी मुद्दा बनाया गया है। खास बात यह कि इस संकल्प पत्र में प्रयागराज को मेट्रो मिलने का भी भरोसा दिलाया गया है। इस पर भाजपा के लोग अपनी पीठ थपथपा रहे हैं तो विपक्ष कटाक्ष कर रहा है कारोबारी देवतादीन कहते हैं कि भाजपा जो कहती है, उसे करके दिखाती है।

निर्वाचन संपर्क केंद्र 24 घंटे चालू,दर्ज कर सकते हैं शिकायत

(आधुनिक समाचार सेव)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। मुख्य राजस्व अधिकारी/प्रभारी अधिकारी शिकायत इन्द्र भूषण वर्मा ने बताया कि विधानसभा चुनाव से संबंधित निगरानी एवं शिकायत हेतु डिस्ट्रिक्ट कांट्रैक्ट सेंटर चालू किया गया है जो 24 घंटे कार्य करेगा उन्होंने बताया कि निर्वाचन-2022 को सकुशल, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर में डिस्ट्रिक्ट कन्टैक्ट सेन्टर बनाया गया है जो 24 घंटे अनवरत संचालित है।विधानसभा निर्वाचन से सम्बन्धित किसी भी जानकारी/ शिकायत टोल फ्री नम्बर 1950 पर दर्ज करायी जा सकती है। इसी तरह आयोग द्वारा विकसित शिकायत एप सी- विजिल का संचालन भी जिला सेवायोजन कार्यालय में किया जा रहा है। निर्वाचन के सम्बन्ध में सी-विजिल पर आनलाइन शिकायत दर्ज करायी जा सकती है जिसका त्वरित निस्तारण आनलाइन किया जा रहा है। इसी तरह मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मानीटरिंग सेल 24 घंटे कार्य कर रहा है, जिसके माध्यम से सोशल मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं प्रिन्ट मीडिया में प्रचारित एवं प्रसारित होने वाले समाचारों पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन एवं पेड न्यूज से सम्बन्धित प्रकरणों की गहन जाँच विशेषज्ञों द्वारा की जा रही है। इसके अतिरिक्त निर्वाचन से सम्बन्धित आफलाइन शिकायतें सम्बन्धित पटल पर उपलब्ध करायी जा सकती है जिसका त्वरित निस्तारण कराया जा रहा है।

सिपाही को गोली मारने वाला लापरवाह दरोगा सस्पेंड, दो शराबी सिपाही भी नपे, एसएसपी ने की कार्यवाही

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। साउथ मलाका चौकी प्रभारी दरोगा दिनेश यादव को अपने एक अन्य साथी पुलिसकर्मी की जान जोखिम में डालने के आरोप में शनिवार शाम निलम्बित कर दिया गया है । चौकी इंचार्ज दिनेश यादव पिस्टल में मैगजीन लोड कर रहा था जब उससे फायर हो गई। गोली पास खड़े सिपाही दिनेश यादव के पैर में लग गई जिसके बाद सिपाही के पैर का ऑपरेशन करना पड़ा। एसएसपी अजय कुमार ने कहा की पुलिसकर्मियों को बहुत गहराई से, बारीकी से, असलहों की हैंडलिंग, निरीक्षण एवं रख रखाव का प्रशिक्षण दिया जाता है। परन्तु

दारोगा दिनेश यादव ने घोर लापरवाही का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि दरोगा ने एक अन्य साथी पुलिस कर्मी की जान ही जोखिम में डाल दी, जिसे बहुत गंभीरता से लिया गया है जिसके बाद यह कार्यवाही की गई है । इस पूरे प्रकरण की जाँच एसपी यमुनापार करेंगे। इसी तरह माण्डा थाना क्षेत्रान्तर्गत तैनात मुख्य आरक्षी राम दरस सिंह यादव और आरक्षी राजकुमार चौरसिया को ऑन ड्यूटी शराब पीने के आरोप में निलम्बित कर दिया गया है। साथ ही फ़ॉलोवर (अनुचर), चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को भी शराब का सेवन करके अभद्रता करने के आरोप के चलते तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है । उन्होंने कहा आम जनमानस से अभद्रता ऑन ड्यूटी अनुशासनहीनता, भ्रष्टाचार, कदाचार तथा अपराधियों से साठ गाँठ करने वाले पुलिस कर्मियों को क़तई बख़्शा नहीं जाएगा। वहीं दूसरी तरफ़, नेक और उम्दा कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों का सपोर्ट करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।

जिले के 283 अति संवेदनशील मतदान केंद्र चिंहित

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज । यूपी विधान सभा चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस संकल्पित है। इसके लिए लगातार तैयारी भी की जा रही है। जिले में पांचवें चरण में चुनाव होगा। इसके लिए अब तक जिले में 283 अति संवेदनशील मतदान केंद्र चिह्नित कर लिए गए हैं। यहां अतिरिक्त पुलिस फोर्स की तैनाती की जाएगी। अति संवेदनशील केंद्रों को चिह्नित करने का काम आगे भी जारी रहेगा, ऐसे में इनकी संख्या अभी और भी बढ़ सकती है। संगम सभागार में जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) संजय खत्री और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय कुमार की अध्यक्षता में विधान सभा चुनाव

2022 को लेकर बैठक की गई। इस बैठक में सभी एडिशनल एसपी, सीओ, एसडीएम समेत अन्य अधिकारी रहे। जिले के सभी थानाध्यक्ष भी बैठक में वर्चुअल जुड़े रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी व एसएसपी ने अब तक की गई तैयारी की समीक्षा करते हुए सभी केंद्रों को निरीक्षण करने और जरूरी व्यवस्था करने के निर्देश दिया। एसएसपी ने बताया कि अब तक जिले के 283 मतदान केंद्रों को अति संवेदनशील चिह्नित हुए हैं। उन्होंने बताया कि चिह्नित किए गए अति संवेदनीश केंद्रों पर अतिरिक्त फोर्स की तैनाती होगी और वेब कास्टिंग के जरिए भी मानीटरिंग की जाएगी ताकि किसी तरह की गड़बड़ी न होने पाए।

सपा प्रत्याशी कुंडा का आरोप साबित

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। कुंडा विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया को बदनाम करने हेतु मनगढ़ंत कहानी गढ़कर अपनी हत्या का आरोप लगाने वाला सपा का प्रत्याशी गुलशन यादव बेनकाब हो गया है।एसपी प्रतापगढ़ सतपाल अंतिल की सक्रियता से कुंडा से सपा प्रत्याशी गुलशन यादव के आरोपों की जाँच सीओ सिटी अभय पाण्डेय को दी गई।उनकी अगुवाई में इंस्पेक्टर कोतवाली नगर एवं स्वाट टीम ने जाँच शुरू की।आरोपी का सीसीटीवी फुटेज ,मोबाइल डिटेल और पूरे दिन के मूवमेंट की डिटेल सामने आने पर दूध का दूध और पानी का पानी हो गया। जाँच में जो बात सामने आई वह यह थी कि जिस व्यक्ति को हत्या का साजिशकर्ता सपा प्रत्याशी ने बताया था वह वास्तव में एक दुकान पर चाय पीने गया था। चाय देर में देने से दुकानदार से कहासुनी होने परपिस्तौल निकालने की बात सामने आई। पुलिस ने जाँच के दौरान अवैध पिस्टल के साथ आशु सिंह उर्फ जार्डन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।सपा प्रत्याशी गुलशन यादव से दुश्मनी या उस पर हमले की साजिश संबंधी कोई भी प्रमाण पुलिस के हाथ नहीं लगा। इस तरह पुलिस जाँच के आधार पर पुलिस सपा प्रत्याशी के ऊपर हमले की बात को सिरे से खारिज कर दिया। सस्ती सपा प्रत्याशी ने सस्ती लोकप्रियता पाने के चक्कर में किया।इस तरह प्रत्याशी द्वारा घड़ी गई मनगढ़ंत कहानी नाकामयाब हो गई।

लगभग 45 लाख रू0 का गांजा पुलिस ने किया बरामद

(आधुनिक समाचार सेव)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। थाना क्षेत्र कंधई की पुलिस एवं स्वाट टीम ने किस थाना क्षेत्र के नारायनपुर तिराहे से लगभग 02 क्विंटल 43 किलोग्राम अवैध गांजा, एक अदद कन्टेनर ट्रक सहित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गांजे की कीमत लगभग 45लाख बताई जा रही है।पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ सतपाल अंतिल के निर्देशन में विधानसभा चुनाव, 2022 को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत जनपद पुलिस द्वारा निरंतर चलाये जा रहे अभियान में चेकिंग के दौरान रतनेश कुमार यादव पुत्र बैजनाथ यादव निजमदरा थाना सरपतहा जनपद जौनपुर को गिरफ्तार किया गया।पुलिस द्वारा की गई पूछताछ

में गिरफ्तार अभियुक्त द्वारा बताया गया कि वह और उसके 02 और साथी मिलकर यह अवैध गांजा का धन्धा करते हैं।गांजा बेचने से जो पैसा मिलता है,उसे वे आपस में बाँट लेते हैं।वे लोग यह गांजा उड़ीसा से लाकर जनपद प्रयागराज में रखते हैं।उन तीनों में एक साथी जनपद प्रयागराज का है,जिसके घर पर वे अवैध गांजा रखते हैं। यह गांजा प्रयागराज से लादकर वे शाहगंज,जौनपुर बेचने जा रहे थे। प्रभारी निरीक्षक श्री सत्येन्द्र सिंह का कहना है कि शीघ्र ही दोनों अन्य अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जाएगा।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 फरवरी 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

ग्रामीणों ने धूमधाम व नाच गाने के साथ वरुणा नदी में मूर्ति विसर्जन किया

कोईराजपूर वरुणा नदी तट पर कई गांव की मूर्ति का हुआ विसर्जन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी) । बड़ागांव थाना अंतर्गत कोईराजपुर,

बैराजपुर स्थित वरुणा नदी में मूर्ति विसर्जन हुआ। वही ग्रामीण क्षेत्र के दर्जनों गांवो के युवाओं ने सोमवार देर शाम को मां सरस्वती के प्रतिमा का वरुणा नदी में विसर्जन किया। हरहुआ बाजार, कोईराजपुर, वाजिदपुर, भगतूपुर, नैयपुरा ,धनेश्वरी औसानपुर, मनसापुर, चमाव, इत्यादि कई गांवों में बसन्त पंचमी पर मां सरस्वती पूजा के बाद ग्रामीण युवाओं ने डीजे पर नाचते गाते व रंग अबीर खेलते साथ में महिलाओं व, पुरुषों व,बच्चे ,नौजवान अमीर गुलाल उड़ाते हुये वरुणा नदी तट कोईराजपुर में पहुचकर प्रतिमा का विसर्जन किया।

मुख्तार अंसारी के समर्थकों की पुलिस बनाएगी सूची, एडीजी जोन ने तीनों जिलों के एसपी को दिया निर्देश

वाराणसी। मऊ जिले के सदर विधानसभा क्षेत्र से मुख्तार अंसारी के चुनाव लड की सुगबुगाहट पर ही शासन-प्रशासन अलर्ट हो गया है। चुनाव में धांधली, पक्ष में मतदान कराने के लिए मतदाताओं पर दबाव आशंका है कि भदोही जिले में विधायक विजय मिश्र और जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय डक्षसह जिले में अपने पक्ष या किसी दूसरे प्रत्याशी के समर्थन में मतदाताओं पर दबाव बना सकते हैं। ऐसे में एडीजी जोन

बनाने आदि को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने समर्थकों व सहयोग करने वालों पर विशेष नजर रखनी शुरू कर दी है। वहीं, ने तीनों जिलों के कप्तान को निर्देश दिया है कि समर्थकों की सूची बनाने के साथ विशेष नजर रखें। जरूरत पड़े तो विभिन्न धाराओं में उन्हें पाबंद भी करें। किसी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।मऊ सदर से विधायक मुख्तार अंसारी बांदा जेल में हैं, लेकिन नेटवर्क कई जिलों में फैला है। योगी सरकार ने मुख्तार के आर्थिक साम्राज्य को तोड में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कई स्थानों पर कार्रवाई प्रस्तावित है एडीजी जोन रामकुमार बताते हैं कि विभागीय जानकारी के मुताबिक भदोही के विधायक विजय मिश्र और जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सह अपने पक्ष में मतदान करने के लिए मतदाताओं पर दबाव बनाते है। सभी चुनाव में इनके नाम सामने आ चुके हैं। निर्वाचन आयोग ने शांतिपूर्ण ढंग से निष्पक्ष चुनाव कराने के निर्देश दिए हैं। सभी जिले के कप्तान को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पूर्वांचल के तीन जिलों में प्रभावशाली लोगों के चुनाव लड को लेकर पुलिस अलर्ट है। उनके समर्थक और आर्थिक मदद करने वालों की सूची बनाकर कार्रवाई की जाएगी।

वाराणसी में कॉलेज बस की चपेट में आने से राजगीर की मौत, बस चालक हिरासत में लिया गया

वाराणसी। सिगरा थानांतर्गत काशी विद्यापीठ रोड पर मंगलवार की सुबह कॉलेज बस की चपेट में आने से एक 48 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। जान बचाने के प्रयास में उसको कबीरचौरा स्थित मंडलीय अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसकी मौत की पुष्टि कर दी। वहीं जानकारी होने के बाद मौके पर पहुंची इलाकाई पुलिस ने मौके से बस चालक को हिरासत में ले लिया। वहीं हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ लग गई और लोगों ने हादसे के बाद विरोध भी जताया। आक्रोशित लोगों ने आरोप लगाया कि भीड़ भरी जगह पर लगातार तेज रफ्तार से भारी वाहनों का संचालन बेरोकटोक जारी होने से आए दिन हादसे होते रहते हैं। जानकारी के अनुसार महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ परिसर में संचालित आशा महाविद्यालय की बस (यूपी 65 ईटी5934) कर्मचारियो को छोड़कर निकल रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो गली में ही बाई तरफ अचानक एक अधेड़ बस के पिछले पहिए के नीचे आ गया। चीख पुकार सुनकर दौड़े स्थानीय लोगों ने बस को रोक

लिया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौक़े पर पहुंची पुलिस ने अधेड़ को बाहर निकाला। आनन-फानन में उसे मंडलीय अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे की जानकारी से परिजनों को भी पुलिस शिनाख्त करने के बाद अवगत कराने का प्रयास कर रही है। काशी विद्यापीठ पुलिस चौकी प्रभारी मनीष सिंह ने बताया कि मृतक के झोले से कन्नी और बंसुली आदि औजार मिले है, जिससे उसके राजगीर मिस्त्री होने का अनुमान है। फिलहाल शव को मोर्चरी में भेज दिया गया है। शिनाख्त कराई जा रही है। चालक को हिरासत में ले लिया गया है। बस भी कब्जे में है। जबकि हादसे के बाद शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है ।

जाम में जकड़ा रहा शहर लगी वाहनों की कतार

बलिया । जाम ने सोमवार को शहर की रफ्तार रोक दी। शीतलहरी व कड़ाके की ठंड के बावजूद अचानक सड़कों पर भीड़ का दबाव बढ़ने लगा। रविवार को सार्वजनिक छुट्टी के बाद सोमवार को सरकारी कार्यालयों के खुलने पर लोग अपना काम कराने के लिए शहर में पहुंच गए। वहीं मुंडन संस्कार के लिए जनपद के ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में वाहनों के आने से जाम की स्थिति बन गई। इसके अलावा विधानसभा चुनाव नामांकन के कारण भी शहर में वाहनों की संख्या बहुत बढ़ गई। मुख्य मार्गों पर बेतरतीब खड़े वाहनों सेके कारण भी जाम लग गया। यातायात पुलिस को घंटों मशक्कत करनी पड़ी। शहीद पार्क चौक, मालगोदाम रोड, एससी कालेज चौराहा, मिड्डी मोड़, टीडी कालेज चौराहा, चित्तू पांडेय चौराहा आदि इलाकों में जाम की समस्या रही। शहर में जाम की समस्या आम हो गई है। इस दुश्वारी की मुख्य वजह अतिक्रमण के कारण सिकुड़ती सड़कें हैं। इस समस्या को लेकर नगरपालिका से लेकर प्रशासन भी संजीदगी नहीं बरत रहा।

नेता प्रतिपक्ष रामगोविद, संजय, संग्राम यादव व बब्बन ने किया नामांकन

बलिया । छठवें चरण के चुनाव के लिए चार फरवरी से ही नामांकन शुरू है। नामांकन की प्रशासन की ओर से कलेक्ट्रेट के गेट से लेकर कुंवर सिंह चौराहा तक चुस्त व्यवस्था की गई थी। दो बार सपा से चुनाव लड़कर जीत हासिल किए है। संग्राम सिंह यादव सिर्फ एक बार चिलकहर विधानसभा क्षेत्र से बसपा के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़कर 17 माह के लिए विधायक बने थे। 2017 में भी वह सपा से फेफना में प्रत्याशी थे और दूसरे स्थान पर रहे थे। नामांकन में वह पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी के साथ पहुंचे थे। सलेमपुर के सांसद रविंद्र कुशवाहा के साथ सिकंदरपुर के विधायक संजय यादव पहुंचे थे। उन्होंने भी विधान सभा से निकलते वक्त मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। रसड़ा से बब्बन राजभर भी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ नामांकन स्थल पर पहुंचे थे। वह 1999 में पहली बार सलेमपुर से बसपा से सांसद बने थे। रसड़ा सीट पर जहां 2012 और 2017 में बसपा का ही दबदबा कायम है। इस विधान सभा में राजभरों और पिछड़े वर्ग की संख्या ज्यादा है। नामांकन के बाद सदगी से सभी उम्मीदवार संबंधित विधान सभा क्षेत्र में लौटे। कांग्रेस की ओर से सिकंदरपुर से बृजेश सिंह गाट, बेल्थरारोड से गीता गोयल, बैरिया से सोनम बिद और बांसडीह से पुनीत पाठक ने अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन के बाद सभी नेताओं ने अपने समर्थकों से मुलाकात की। कांग्रेस उम्मीदवारों के साथ भी अलग-अलग विधान सभा क्षेत्र से समर्थक आए थे। कांग्रेस ने इस बार बलिया के अधिकांश विधान सभा क्षेत्रों में महिलाओं को ही टिकट दिया है। इसके अलावा सिकंदरपुर से भाकपा के श्रीराम चौधरी, फेफना से निर्दलीय जनार्दन सिंह, बलिया नगर से निर्दलीय तेजनारायण सिंह ने नामांकन दाखिल किया।

अंतिम तारीख 11 फरवरी तक निर्धारित है। सोमवार को बांसडीह विधान सभा से सपा के नेता प्रतिपक्ष रामगोविद चौधरी, फेफना से सपा प्रत्याशी संग्राम सिंह यादव और रसड़ा से भाजपा उम्मीदवार बब्बन राजभर, सिकंदरपुर से सीटिग भाजपा विधायक संजय यादव ने नामांकन दाखिल किया। चुनाव आयोग की ओर से जुलूस आदि पर रोक है, इसके बावजूद टीडी कालेज के सामने समर्थकों की काफी भीड़ जमा थी। पुलिस हालांकि पहले की तरह कोई शोर नहीं था। सभी लोग आराम से जहां-तहां खड़े थे। अभी तक कुल 13 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। बांसडीह विधान सभा क्षेत्र में रामगोविद चौधरी और फेफना के सपा उम्मीदवार संग्राम सिंह यादव सपा कार्यकर्ताओं संग नामांकन स्थन पर पहुंचे। इससे मंदिरों में मत्था टेका। रामगोविद चौधरी को सपा ने इस विधान सभा में तीसरी बार अपना प्रत्याशी बनाया है। इस सीट पर वह एक बार सजपा और

भाजपा के संकल्प पत्र में काशी में मेट्रो, आजमगढ़ में एटीएस कमांडो सेंटर और एक्सप्रेस वे की सौगात

वाराणसी। भाजपा की ओर से मंगलवार को प्रदेश के विकास के लिए पार्टी की ओर से संकल्प पत्र जारी किया गया है। संकल्प पत्र में काशी में मेट्रो, आजमगढ़ में एटीएस कमांडो सेंटर और बलिया लिंक भाजपा सरकार का मंत्र पहले पन्ने पर पोस्टर के तौर पर जारी किया है। वहीं पहले पन्ने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एक पन्ने का पत्र भी इसमें शामिल है। दूसरे पन्ने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की ओर विकास, आधारभूत संरचना, सबका साथ सबका विकास, सांस्कृतिक धरोहर एवं विकसित पर्यटन को भी पत्र में विस्तार से साझा किया गया है। हालांकि, पूर्वांचल के लिहाज से वाराणसी में

एक्सप्रेस वे की सौगात देने की बात कही गई है। पार्टी की ओर से इस बाबत संदेश जारी होने के बाद पार्टी पदाधिकारियों की ओर से इस बाबत संकल्प पत्र को साझा कर भाजपा सरकार आने पर प्रमुखता से इन परियोजनाओं को पूरा करने की बात कही गई है। सोलह पन्नों की इस रिपोर्ट में पूर्वांचल के लिहाज से प्रमुख योजनाओं को धरातल देने के लिए पहल की बात कही गई है। लोककल्याण संकल्प पत्र 2022 के जरिए भाजपा ने यूपी फिर मांगे से विकास के बाबत भाजपा के संकल्प की प्रतिबद्धता को लेकर पत्र जारी किया गया है। वहीं घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष सुरेश कुमार खन्ना की ओर से भी पत्र को इस संकल्प पत्र का हिस्सा बनाया गया है। वहीं 2017 से पहले और बाद की परियोजनाओं और विकास कार्यक्रमों को भी पत्र में शामिल किया गया है। वहीं समृद्ध कृषि, सशक्त नारी, सुगम शिक्षा, सक्षम युवा, स्वस्थ्य प्रदेश, सुशासन, अर्थव्यवस्था एवं औद्योगिक मेट्रो परियोजना को दोबारा आजमगढ़ में एटीएस कमांडो सेंटर स्थापित करने की भी बात कहकर आतंकवाद से सुरक्षा को लेकर पूर्वांचल में बड़ा केंद्र खोलने की संभावनाओं को बल दिया है। जबकि पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के माध्यम से बलिया लिंक एक्सप्रेस वे के माध्यम से पूर्वांचल के अन्य जिलों को भी इससे जोड़ने की संभावनाओं को भाजपा ने पत्र में शामिल कर पूर्वांचल के विकास की रूपरेखा को पेश किया है।

सपा के पूर्व मंत्री रिजवी संग सात लोगों ने किया नामांकन

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। विधान सभा चुनाव के छठें चरण के लिए चार फरवरी से ही नामांकन शुरू है। हर दिन अलग-अलग विधान सभा क्षेत्र से

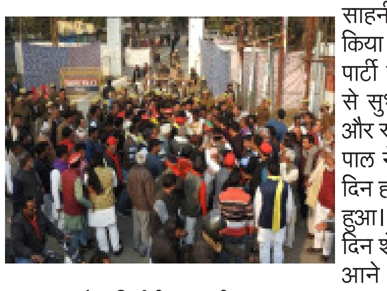

दलगत और निर्दलीय उम्मीदवार अपना नामांकन कर रहे हैं। नामांकन को लेकर दिन भर पुलिस अलर्ट मोड में रही है। कलेक्ट्रेट के गेट से कुंवर सिंह चौराहा तक पुलिस सख्त है। मंगलवार को सिंकदरपुर से सपा के पूर्व मंत्री जियाउद्दीन रिजवी ने नामांकन किया, वहीं बांसडीह विधान सभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रमोद पासवान, विनोद वर्मा और स्वामीनाथ साहनी ने अपना पर्चा दाखिल किया। फेफना से बहुजन मुक्ति पार्टी से अवधेश वर्मा, रसड़ा से सुभासपा के महेंद्र चौहान और राष्ट्र उदय पार्टी से श्रीपति पाल ने नामांकन किया। इस दिन हर दिन से कम नामांकन हुआ। नामांकन को अब तीन दिन शेष हैं। नामांकन के लिए आने वाले प्रत्याशियों पर उड़नदस्ता टीम भी नजर रख रही है। दो से ज्यादा वाहन होने पर उड़नदस्ता की टीम की ओर से कार्रवाई भी की जा रही है।

बीएचयू : 450 रिक्त सीट में प्रवेश पाने का अंतिम अवसर आज, पंजीकरण के लिए आनलाइन और आफलाइन विकल्प खुले

वाराणसी । काशी हिंदू विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा में सफल होने के बाद भी यदि किन्हीं कारणों से प्रवेश नहीं पा सके हैं तो ऐसे अभ्यर्थियों के लिए मंगलवार तक अंतिम अवसर उपलब्ध है। विश्वविद्यालय के कला संकाय व सामाजिक विज्ञान संकाय के विभिन्न विषयों में परिसर की पेड सीटों समेत संबद्ध महाविद्यालयों में लगभग 450 स्थान रिक्त हैं। प्रवेश पंजीकरण के लिए अभ्यर्थियों को आनलाइन व आफलाइन विकल्प

उपलब्ध। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डा. राजेश सिंह ने बताया कि कला संकाय में 65 पेड सीटों समेत संबद्ध महाविद्यालयों में लगभग 350 सीटें उपलब्ध हैं। इसी तरह सामाजिक विज्ञान संकाय में पेड सीटों समेत लगभग 98 सीटें हैं। इनके लिए माप-अप राउंड मंगलवार को किया जाएगा। प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण बच्चों को पहले ही पोर्टल के माध्यम से उनके मोबाइल नंबर पर सूचना भेजी जा चुकी है, साथ ही समाचार पत्रों में विज्ञापन भी मंगलवार को प्रकाशित होगा। जो छात्र किन्हीं कारणों से प्रवेश से वंचित रह गए हैं वे रिक्त सीटों के सापेक्ष अपना दावा प्रस्तुत करते हुए पोर्टल पर आनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। चाहें तो विश्वविद्यालय पहुंचकर आफलाइन भी अपनी सीटों के चयन के लिए पंजीकरण करा सकते हैं। यह उनके लिए इस सत्र में अंतिम अवसर है। डा. सिंह बताते हैं कि पूर्व में आनलाइन प्रणाली से नामांकन के लिए पंजीकरण कराते समय अभ्यर्थियों की गलती से सीटें रिक्त रह गईं। अब चाहें छात्र तो ठीक से पंजीकरण कराकर, अपने विषय को लाक कर सकते हैं। छात्रों को पोर्टल के माध्यम से सूचना भेजे जाने के बाद प्रवेश पाने की तत्परता भी खूब दिखी। दोनों संकायों में लगभग 450 सीटों के सापेक्ष सोमवार की देर शाम तक लगभग 4000 छात्र आनलाइन पंजीकरण करा चुके थे। इनमें लगभग 3000 कला संकाय में तो लगभग 1000 छात्र सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए पंजीकरण कराए थे।

बालिया मे भाजपा विधायक सुरेंद्र ने खड़ी की अलग टीम, भाजपाई पार्टी नेताओं को दी चुनौती

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया।विधान सभा चुनाव में बैरिया की राजनीति में सीटिंग विधायक सुरेंद्र सिंह ने मंगलवार को अलग टीम खड़ी कर दी। भाजपा से टिकट नहीं मिलने के बाद मंगलवार को बड़े जनसैलाब के साथ देवराजब्रह्म मोड़ से बैरिया त्रिमुहानी तक जुलूस के शक्ल में जाकर पूर्व कहा कि आप लोगों ने मेरा टिकट काट दिया लेकिन सभी को यह समझना होगा कि टिकट भलेही पार्टियां देतीं है, लेकिन विधायक जनता बनाती है। टिकट के दम पर जनता के मन को नहीं बदला जा सकता। टिकट तय करने वाले आकर देख ले बैरिया की जनता किसके साथ है। जनपद मे दरअसल बैरिया से टिकट कटने के बाद दूसरे नेता को भाजपा की ओर से टिकट जारी करने के बाद से ही भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह बागी तेवर में हैं। पूर्व में भी उन्होंने निर्दल ही नामांकन दाखिल करने की बात कहकर पार्टी को सकते में डाल दिया था। अब मंगलवार को सुरेंद्र सिंह के समर्थन में उमड़े हुजूम

विधायक स्व. बाबू मैनेजर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जनसमर्थन का जलवा दिखाया। उनकी ओर से बैठक रामनारायण सिंह सरस्वती विद्या मंदिर में बुलाई थी, लेकिन लोगों की भीड़ बढ़ने पर बैरिया-लालगंज मार्ग पर मीटिंग करनी पड़ी। हजारों लोगों के बीच विधायक खड़े हुए और भाजपा के शीर्ष नेताओं को चुनौती देते हुए को देखने के बाद भाजपा के लिए बैरिया से काफी असहज स्थिति हो गई है। वहीं उनके करीबी सुरेंद्र सिंह के दूसरे पार्टी में जाने को लेकर भी विगत दो दिनों से खूब अटकल लगा रहे हैं। सुरेंद्र सिंह भी टिकट कटने के बाद आक्रामक तेवर में हैं और पार्टी के ही नेताओं के खिलाफ साजिश का आरोप लगा रहे हैं।

भगवान शिव को अर्पित होता है शमी का फूल, फरवरी आते ही तैयार होने लगा शमी का पौधा

वाराणसी । फरवरी माह आते ही शमी के पौधे को तैयार करने लिए नर्सरी संचालक कलमी व कटाई करके पौधे की तैयारी करने में जुट गए हैं। लगभग दो महीने में शमी का पौधा बाजार में बिकने के लिए तैयार हो जाएगा। शमी का पौधा,

तेजस्विता एवं दृढता का प्रतीक है। इसमें प्राकृतिक तौर पर अगिन्तत्व की प्रचुरता होती है इसलिए इसे यज्ञ में अग्नि को प्रज्जवलित करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। जन्मकुंडली में यदि शनि से संबंधित कोई भी दोष है तो शमी के पौधे को घर में लगाना और प्रतिदिन उसकी सेवा-पूजा करने से शनि की पीड़ा समाप्त होती है। मान्यता है कि शमी के पौधे को घर में लगाने से बरकत आती है और घर में कभी पैसे की कमी नहीं होती. शमी के पौधे को घर में लगाने से सभी दुख दूर होते हैं और सुख-समृद्धि आती है। यह भी कहा जाता है कि शमी का पौधा घर में लगाने से वास्तु दोष भी दूर होता है और घर की सब बाधाएं मिट जाती हैं। उसके बाद हर शनिवार को सरसों के तेल का दीपक शमी के वृक्ष के नीचे जलाना चाहिए इसके अलावा शमी वृक्ष के फूल और पत्तों के प्रयोग से भी शनि का कुप्रभाव शांत होता है। मान्यता है कि घर में शमी का पेड़ लगा रहने से टोने, टोटके और नकारात्मक ऊर्जा का घर पर प्रभाव नहीं पड़ता। शमी के वृक्ष का महत्व रामायण भी मिलता है शमी का पौधा मध्यमाकार और हमेशा हरा रहता है। इसमें कांटे होते हैं। इसकी शाखाएं पतली, झुकी हुई और भूरे रंग होती हैं। इसकी छाल भूरे रंग की, फटी हुई, तथा खुरदरी होती है। भगवान शिव को शमी के फूल अति प्रिय माने जाते हैं। रोजाना पूजा के वक्त उन्हें यह फूल अर्पित करने से भगवान प्रसन्न होते हैं और सभी प्रकार के संकटों से दूर रहते हैं। शमी का पेड़ आपको शनि के प्रकोप से भी बचाता है।शमी के पौधे को घर के ईशान कोण यानी पूर्वोत्तर कोने में लगाना सबसे लाभकारी माना जाता है। वैसे हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे की काफी मान्यता है और हर घर में इसकी पूजा की जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि तुलसी के अलावा एक और पौधा है जिसे हिंदू धर्म में काफी शुभ माना जाता है ये है शमी का पौधा, शास्त्रों के मुताबिक शमी के पौधे का विशेष महत्व है और इसे घर में लगाना बेहद ही शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि शमी का पौधा भगवान शिव का प्रिय है और भगवान शिव पर जल अर्पित करते समय जल में शमी का फूल या पत्ती डालने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। बोले नर्सरी संचालक नर्सरी संचालक राकेश राजभर ने बताया कि शमी का पौधा एक धार्मिक पौधा है इसको कलमी व कटाई के माध्यम से तैयार किया जाता है इस पौधों को तैयार होने में दो महीने का समय लग जाता है। नर्सरी संचालिका अंजली ने बताया कि फरवरी माह से ही हम लोग इसकी तैयारी में लग जाते है तब जाकर कहीं अप्रैल तक यह पौधा बाजार में बिकने लायक तैयार हो जाता है। यह पौधा बाजार में 20 से 30 रुपए तक बिकता हैं।

गुरमुरा में खादी ग्रामोद्योग का कंबल और मच्छरदानी हुई वितरित

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र) । समाज कल्याण द्वारा संचालित पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय गुरमुरा में बिरला कार्बन रेनुकूट द्वारा सी0एस0आर मद से विद्यालय के सँवासी उपयोग हेतु अच्छी किस्म का 120 पीस खादी ग्रामोद्योग का रंगीन कम्बल एवं 50 पीस अच्छी किस्म का डबल बेड मच्छरदानी वितरित किया गया।इस मौके पर अधीक्षक अरविंद कुमार ओझा, वरिष्ठ सहायक पंकज कुमार सिंह, प्रवक्ता क्षमाशंकर तिवारी, उमेश पांडेय, सुनील कुमार बिरला कार्बन, निवेदिता मुखर्जी एवं विद्यालय के अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

टीपर के चपेट में आने से एक युवक की हुई मौत अवैध रूप से बोल्डर उतारते समय हुआ हादसा

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र) स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के कोठा टोला में लंगड़ा मोड से काशी मोड़ सम्पर्क मार्ग की घटना , टीपर के चपेट में आने से एक युवक की मौके पर हुई मौत सोमवार दोपहर बाद लंगड़ा मोड से काशी मोड़ क्रशर/खनन मार्ग पर टीपर से अवैध तरीके से बोल्डर उतारने के दौरान चपेट में आने से एक युवक की मौके पर हुई मौत। इस घटना में मृतक संतोष कुमार पुत्र राजनाथ धुईया 25 वर्ष निवासी रानी ताली गौराही बताया जा रहा है जो वर्तमान समय कोठा टोला प्राथमिक विद्यालय के पास किराए के मकान में रह कर काम करता था सूत्रों की मानें तो लंगड़ा मोड से काशी मोड़ सम्पर्क मार्ग विक्रम स्टोन क्रेशर प्लांट के पास राहदारी वसूलने को लेकर अक्सर बोल्डर उतारा जाता रहा । और आज भी उतारा बोल्डर उतार रहा था , कि टीपर चालक अचानक से टीपर लेकर आगे बढ़ गया इस घटना के बाद तत्काल ही उपचार के लिए ओबरा ले जाया गया ले जाया गया ।लेकिन घायल को मृतक देखकर कोठा टोला में खलबली मच गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची डाला पुलिस जांच में जुटी।

25 गांवों में शुद्ध पानी की आपूर्ति के लिए नहीं लगा आरओ प्लाट

सोनभद्र । लगभग एक माह पूर्व अज्ञात बीमारी से हुई दर्जनों लोगों की मौत के चलते चर्चा में आए मकरा ग्राम पंचायत समेत आसपास के गांवों को मिलने वाली सुविधाएं अब बंद हो गई हैं। कुंआरी नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तब तक डाक्टर जाते रहे, जब तक प्रशासनिक समेत स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों का दौरा होता रहा। अब स्थिति बदल गई है। अब अस्पताल में डाक्टर नहीं जाते। शुद्ध पेयजल की आपूर्ति भी लगभग बंद हो गई है। मकरा सहित आसपास के 25 गांवों में प्रस्तावित आरओ प्लांट भी नहीं लगाया गया। अफसरों के निरीक्षण के दौरान छह टैंकर से पानी की आपूर्ति होती थी लेकिन संबंधितों का भुगतान न होने के कारण अब महज एक टैंकर से सिधहवा टोला से पानी की आपूर्ति की जाती है। गांव में कुछ लोग चेचक के शिकार हैं लेकिन उनकी सुधि लेने वाला कोई नहीं है। यहां के ग्राम प्रधान रामसजीवन कहते हैं कि अस्पताल के खुलने और बंद होने का कोई समय ही नहीं है। अब कोई देखने भी नहीं आता कि गांव के लोग किस हाल में जीवन यापन कर रहे हैं। एक माह पूर्व तक लगातार हो रही मौत का मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंचने के बाद स्वास्थ्य विभाग की केंद्रीय टीम ने गांवों का दौरा किया था। लोगों को मच्छर से बचाव के प्रति जागरूक किया था। जिलाधिकारी टीके शिबू ने भी गांव का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया था। कुआरी गांव में एक नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित है, जहां पहले कोई चिकित्सक नहीं तैनात थे। इस घटना के प्रकाश में आने के बाद वहां नियमित रूप से चिकित्सक जाने लगे थे और अन्य स्टाफ भी जाता था। कैंप लगाकर मरीजों की जांच व उपचार होता था लेकिन अब सब कुछ बदल गया है। अस्पताल में डाक्टर नहीं जाते। कुछ स्टाफ जाते हैं लेकिन अस्पताल के खुलने और बंद होने का भी कोई समय नहीं है। ग्राम प्रधान राम नारायन का कहना है कि मकरा व आसपास के गांवों में 25 आरओ फिल्टर प्लांट लगाने की बात कही गई थी लेकिन वह भी नहीं लगा। इस बाबत सीएमओ डा. रमेश सिंह ठाकुर ने बताया कि कुआरी अस्पताल पर डाक्टर नहीं है, इसकी जानकारी है। बाकी स्टाफ जा रहे हैं। गांव में कोई समस्या नहीं है।

घंट-घड़ियाल संग ढोल-नगाड़ों से गूंजता रहा गड़बड़ाधाम

गड़बड़ाधाम (मीरजापुर) । हलिया विकास खंड अंतर्गत गड़बड़ाधाम में सोमवार को हजारों श्रद्धालुओं ने मां शीतला का चरणों में शीश नवाया। घंटा, घड़ियाल संग ढोल-नगाड़ों के साथ श्रद्धालुओं के जयकारे से मंदिर परिसर गूंजता रहा। दर्शन-पूजन के बाद महिलाओं ने खरीदारी की। जिला मुख्यालय से 80 किलोमीटर दूर विंध्य पर्वत की तलहटी में सेवटी नदी किनारे मां शीतला का मंदिर है। भोर से ही श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंचने लगी हो उठे। हालांकि अव्यवस्थाओं के बाद श्रद्धालुओं की आस्था भारी रही। इस दौरान शौचालय एवं स्वच्छ पेयजल न होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ा। मंदिर प्रबंधक प्रेमचंद्र शुक्ला सीसीटीवी कैमरे से श्रद्धालुओं की निगरानी करते रहे। चील्ह : कोन विकास खंड क्षेत्र के कोल्हुआ गंगा घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। क्षेत्र के गंगा घाट कोल्हुआ में उत्तरवाहिनी गंगा में क्षेत्र के अलावा

थी, कोई अपने साधन से तो कोई किराए के वाहन से पहुंचा। सेवटी नदी में आस्था की डुबकी लगाने के बाद महिलाएं प्रसाद के रूप में पूड़ी-लपसी तो पुरुष नारियल-चुनरी और लुटिया में जल लेकर कतारबद्ध हो गए। भोर में मंगला आरती के बाद कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं ने मां शीतला का भव्य स्वरूप देख निहाल गंगा पार से भी तमाम लोग डुबकी लगाई तथा पुरोहितों को अन दान किया। गंगा सनन के बाद महिलाएं, पुरुष तथा बच्चों ने घाट पर लगे दुकानों से खरीदारी की। युवक-युवतियों ने चाट का आनंद उठाया, वहीं बच्चों ने पतंगबाजी भी की। थाना प्रभारी अजीत कुमार श्रीवास्तव हमराहियों के साथ तैनात रहे।

मीरजापुर में विवाहिता ने दुपट्टे के सहारे फंदे से लटक कर की आत्महत्या, पुलिस मामले की जांच में जुटी

मीरजापुर। चुनार कोतवाली क्षेत्र के सराय टेकौर मुहल्ले में सोमवार की देर रात विवाहिता ने दुपट्टे के फंदे से लटक कर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी होने पर पुलिस रात में करीब पौने तीन बजे घटनास्थल पर पहुंची और शव को उतरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। विवाहिता ने आत्महत्या क्यों की इसकी जानकारी परिजनों की ओर से नहीं हो सकी है। वहीं पुलिस के अनुसार वारदात की बाबत परिजनों से पूछताछ की जा रही है, उम्मीद है कि जल्द ही आत्महत्या की गुथी सुलझा ली जाएगी। परिजनों के अनुसार सराय टेकौर निवासी होरी लाल के पुत्र संदीप का विवाह सीखड निवासी सीमा (22) पुत्री राधेश्याम साहनी के साथ 26 अक्टूबर 2019 को हुआ था। दोनों से एक दस माह की पुत्री भी है। संदीप वाराणसी रहकर काम धंधा करता है। घरवालों के मुताबिक सीमा रात में भोजन करने के बाद ऊपरी मंजिल बने अपने कमरे में सोने चली गई थी। देर रात उसने छत में एंगल के सहारे दुपट्टे का फंदा बनाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। रात में करीब ढाई बजे जब घरवालों ने मृतका की पुत्री की जोर- जोर से रोने की आवास सुनी तो घरवालों ने ऊपर जाकर देखा। दरवाजा बंद था खिडकी से झांक कर देखा तो सीमा दुपट्टे के सहारे फंदे से लटक रही थी। घटना के संबंध में कोतवाल गोपाल प्रसाद गुप्ता ने बताया कि भोर में पुलिस को घटना की सूचना मिली है। जिसके बाद मौके पर पहुंच कर खिड़की तोड़ कर मासूम बच्ची को बाहर निकाला गया और मृतका का शव अन्त्य परीक्षण के लिए भेजा गया। मंगलवार की सुबह सीओ चुनार रामानंद राय ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और मृतका के घरवालों से घटना के संबंध में पूछताछ की। महिला ने क्यों फांसी लगाकर जान दी इसके बारे में स्वजन भी नहीं बता पा रहे हैं।

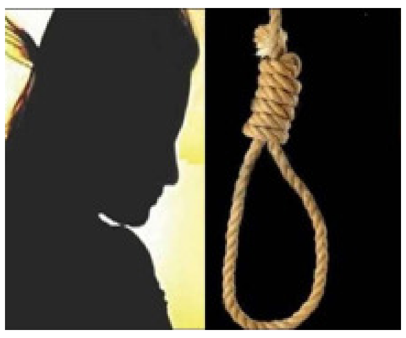

कैमूर के जंगलों में बढ़ रही काले हिरण की संख्या, छह वर्षो में चार गुना बढ़कर 624 पहुंची

सोनभद्र । जंगल और पहाड़ों से घिरे कैमूर वन्यजीव अभयारण्य में काले हिरणों (ब्लैक बक) की बढ़ती संख्या सुखद समाचार है। कैमूर वन्य जीव विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 2013 में हुए सर्वे में इनकी संख्या 137 थी, जो 2019 चार गुना बढ़कर 624 पहुंच गई। मार्च 2022 में फिर इनका सर्वे होना था, लेकिन विधानसभा चुनाव होने के कारण यह कुछ माह के लिए टल गया है। क्षेत्र में राबर्ट्सगंज, घोरावल, गुर्मा व मीरजापुर जिले में स्थित हलिया वन रेंज में काले हिरण पाए जाते हैं। कैमूर वन्यजीव अभयारण्य के वार्डन राकेश कुमार ने बताया कि प्रत्येक तीन वर्ष पर इनकी गणना होती है। 2022 में मार्च में इनका सर्वे होना था, लेकिन विधानसभा चुनाव होने के कारण अभी तक कोई आदेश नहीं आया है। अगस्त या सितंबर में सर्वे हो सकता है। निश्चित रूप से इनकी संख्या और बढ़ी होगी। राकेश कुमार ने बताया कि देशभर में चंद जगहों पर ही काले हिरण पाए जाते हैं। इनमें 501 वर्ग किमी में फैला कैमूर वन्य अभयारण्य भी है। काले हिरण लेमन ग्रास क्षेत्र में रहना पसंद करते हैं। यहां इनके लिए 145 वर्ग मीटर का रक्षित क्षेत्र भी है। पीने के पानी की व्यवस्था के साथ सुरक्षा की जिम्मेदारी विभागीय कर्मचारियों को दी गई है। जिन क्षेत्रों में शिकार होता मिलता है, उसे चिह्नित कर घेराबंदी कर दी जाती है। सर्वे में पूरी फील्ड यूनिट जैसे रेंजर, वन दरोगा, वाचर, गार्ड को लगाया जाता है। कैमूर वन प्रभाग के डीएफओ आशुतोष जायसवाल ने बताया कि सोनभद्र के अलावा चित्रकूट जिले के रानीगंज वन्य अभयारण्य में भी काले हिरण पाए जाते हैं। काले हिरण की जनसंख्या बढे का मुख्य कारण प्रजनन ही है। टीम की लगातार निगरानी और चक्रमण से इनका शिकार रोकने में भी काफी हद तक सफलता मिली है। हालांकि इन्हें ठंड से बचाने का कोई इंतजाम नहीं हैं।

नगर पालिका सीमा का विस्तार न होने से संकट गहराया

सोनभद्र । नगर पालिका सीमा का विस्तार न होने से संकट गहराया गया है। आमजन को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रहीं हैं। सीमा विस्तार की योजना लंबित होने के कारण लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। राबर्ट्सगंज नगर से सटी ग्राम पंचायतों में गंदे पानी के निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। ग्राम पंचायतों से नाली निर्माण की कोई व्यवस्था नहीं है। लोग गंदा पानी किसी न किसी व्यक्ति के खेत में गिराते हैं, जिससे आए दिन विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है। नगर से सटे बढ़ौली, उरमौरा, कम्हारी, जैत, पकरी, घुआस समेत अन्य गांवों में गंदे पानी के निकासी की व्यवस्था नहीं है। ग्राम पंचायतों के प्रधान व सचिव नाली के लिए बजट न उपलब्ध होने का हवाला देकर कार्य नहीं कराते हैं। इसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। जिले की एकमात्र नगर पालिका के आसपास के गांवों में गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था अब तक नहीं हो सकी है। नगर पालिका में ही सीवर लाइन की व्यवस्था नहीं है, ऐसे में ग्राम पंचायतों में इसकी व्यवस्था कैसे होगी यह समझा जा सकता है। नगर पालिका के आसपास के गांव बढ़ौली, पुसौली, उरमौरा, छपका, लोढ़ी, बिचपई, कम्हारी, जैत, पकरी, मानपुर, घुआस, पकरी समेत अन्य कई गांवों को सीमा विस्तार के तहत नगर पालिका में शामिल करने की कवायद भी चली थी लेकिन चुनाव के ठीक पहले चली यह कवायद ठंडे बस्ते में चली गई। हालांकि ओबरा व चोपन नगर पंचायत के क्षेत्र का विस्तार भी हुआ लेकिन नगर पालिका के आसपास के गांव इससे वंचित रह गए। ऐसे में इन गांवों को नगरीय सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। ग्राम पंचायतों में पक्की सड़क तक का निर्माण नहीं हो रहा है। सार्वजनिक स्थलों पर सोलर लाइट आदि की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। क्षेत्र के लल्लन सिंह, मुनन सिंह, आशुतोष, इयादत अली, राजेश, अनुज सिंह आदि का कहना है कि नगर पालिका का विस्तार होता तो गांव में भी जल निकासी की व्यवस्था हो जाती। नगर पालिका के चेयरमैन वीरेंद्र जायसवाल का कहना है कि नगर के सीमा विस्तार का प्रयास किया गया था लेकिन वह नहीं हो सका। चुनाव बाद इस पर फिर पहल की जाएगी। जिला पंचायत राज अधिकारी का कहना है कि गांवों में नाली की व्यवस्था के लिए बड़े बजट की जरूरत होती है। ग्राम पंचायतों में छोटे कार्यों के लिए बजट आते हैं। इससे बड़ा कार्य कराने में परेशानी होती है। अब विधानसभा चुनाव बाद इस पर पहल की जाएगी।

आधी आबादी का इलाज नहीं, 21 में 20 पद खाली

सोनभद्र। जिले में आधी आबादी के उपचार के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञ नहीं हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी के अधीन स्त्री रोग विशेषज्ञ के लिए 21 पद स्वीकृत हैं लेकिन इनमें से 20 पद रिक्त पड़े हैं। इसी तरह जिला अस्पताल में एक पद है और वह भी खाली। इससे महिलाओं को उपचार कराने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। विभिन्न रोगों से पीड़ित महिलाएं उपचार के लिए निजी अस्पतालों का या गैर जिले के अस्पतालों का सहारा लेने को मजबूर हैं। चार राज्यों की सीमा से सटे सोनभद्र में आधी आबादी के उपचार को लेकर सरकारी अस्पतालों में कोई व्यवस्था नहीं है। निर्वाचन कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016 में जिले में कुल आबादी 2121388 थी, जिसमें से 1015061 महिलाएं थीं। वर्ष 2019 में यह आंकड़ा बढ़ गया, तब कुल आबादी 2197699 थी, जिसमें महिलाओं की संख्या 1051575 थी। वर्तमान में यह संख्या और बढ़ी होगी। जिले में पड़ोसी राज्यों के सीमावर्ती जिलों के लोग उपचार कराने आते हैं, साथ ही पड़ोसी जिला चंदौली के लोग भी अक्सर उपचार के लिए पहुंचते हैं लेकिन यहां के जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर महिलाओं के उपचार के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञों की तैनाती नहीं है। प्राथमिक स्तर पर एएनएम कार्यकर्ता ही महिलाओं का उपचार करती हैं लेकिन यदि किसी गंभीर समस्या में महिलाओं को अस्पताल जाना पड़ता है, तो उन्हें निराशा हाथ लगती है। विवश होकर स्वजन महिलाओं को लेकर निजी अस्पतालों में जाते हैं या फिर वाराणसी अथवा मीरजापुर जाते हैं। इससे उनका समय के साथ ही धन भी खर्च होता है। लंबे समय से जिले के आधी आबादी के उपचार के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञों के तैनाती की मांग उठती रही है लेकिन इस समस्या का अब तक कोई हल नहीं निकल सका है। जिला संयुक्त अस्पताल परिसर में 100 बेड का मैटर्निटी अस्पताल है। यहां चार स्त्री रोग विशेषज्ञ तैनात हैं लेकिन वर्तमान में तीन कार्यरत हैं। यह अस्पताल एक निजी अस्पताल से संचालित होता है। जिले में स्त्री रोग विशेषज्ञों की कमी है। सीएमओ कार्यालय के अधीन स्त्री रोग विशेषज्ञ के 21 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 20 पद रिक्त पड़े हैं। चुनाव संपन्न होने के बाद यहां इस पद को भरे जाने को लेकर विभागीय स्तर पर पत्राचार किया जाएगा।

मारकुंडी मुख्य राजमार्ग से गुरमा जेल मार्ग के मध्य घाघर पुल का अस्तित्व संकट में

गुरमा (सोनभद्र) । सदर ब्लाक के मारकुंडी मुख्य राजमार्ग से जिला जेल गुरमा मार्ग के मध्य घाघर नदी पर बने पुल का अस्तित्व संकट में है। यह पुल काफी पुराना व जर्जर होने के कारण कभी ध्वस्त हो सकता है। पुल के सड़क गड्ढों में तब्दील हो गए हैं जिन पर एक कदम चल पाना कठिन है। इससे राहगीरों को गमनागमन में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पुल में दरार के साथ नीचे से सरिया भी दिखाई देने लगी है। इससे रात में खतरा बना रहता है। घाघर पुल के साथ संपूर्ण सड़क गड्ढों में तब्दील है। के बंदियों के वाहनों के साथआला अधिकारियों का भी आवागमन होता है लेकिन आज तक किसी भी विभागीय अधिकारियों ने इसकी मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया। घाघर पुल के पास भारी वाहनों का वर्जित बोर्ड भी लगा है। इसके बावजूद भारी वाहनों का आवागमन जारी है। इसे लेकर कभी किसी दिन दुर्घटनाओं से इंकार भी नहीं किया जा सकता। इस संबंध में स्थानीय रामकिशुन, मदन मोहन यादव, राजेश कुमार, रैन सिंह, अमित सिंह, रहीम खां, इरफान अली, रवि ने जिलाधिकारी से अविलंब स्थलीय निरीक्षण कर उचित कार्रवाई की मांग की है। लोक निर्माण विभाग के जेई एसके पांडेय ने बताया कि शासन स्तर से मारकुंडी से जिला कारागार गुरमा मुख्य संपर्क मार्ग के नवीनीकरण के लिए स्वीकृति मिल गई है। जल्द काम चालू कराया जाएगा। घाघर पुलिया के संबंध में बताया कि इसका पूरा इस्टीमेट तैयार कर शासन को भेज दिया गया है। शासन से आदेश आने के बाद ही घाघर पुलिया पर निर्माण कार्य शुरू होगा।

चैनल का ताला तोड़कर पांच लाख के आभूषण उड़ाए

घोरावल (सोनभद्र)। रविवार की रात चोरों ने चैनल का ताला तोड़कर पांच लाख के आभूषण व एक लाख नकद राशि उड़ा ले गए। यह घटना कोतवाली क्षेत्र के कनेटी गांव में हुई। परिवार के सदस्य त्रयोदशाह कार्यक्रम में भाग लेने गए थे तभी चोरों ने घटना को अंजाम दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू की। इस मामले में कई लोगों से पूछताछ की गई। चोरों ने पीछे के चैनल का ताला काटकर 116000 रुपये नकद व 5 लाख रुपये के आभूषण पर हाथ साफ किया। कनेटी गांव निवासी पूर्व प्रधान छोटेलाल ने सोमवार सुबह पुलिस को तहरीर देकर बताया कि रविवार को उनके भाई की सास का त्रयोदशाह कार्यक्रम आयोजित था जिसमें भाग लेने के लिए वह अपनी पत्नी के साथ शाहगंज थाना क्षेत्र के पिपरी गांव गए थे। कार्यक्रम संपनन्न होने के बाद वह घर पहुंचे। बाहर से ताला खोला तो पाया कि अंदर से दरवाजे को कपड़े से बांधा गया है। किसी तरह उन्होंने दरवाजा खोला और अंदर गए तो घर का दृश्य देखकर हैरान हो गए। घर के अंदर तीन कमरों में रखे एक आलमारी, चार बाक्स, एक अटैची व दो बैग के सामान बिखरे पड़े थे। जब उन्होंने पूरे सामान की जांच की तो पता चला की आलमारी में रखे 116000 रुपये नकद, 3 मंगलसूत्र, दो अंगूठी, दो मांग टीका, झुमका, लक्षा दानी समेत सोने व चांदी के कई आभूषण चोरी हो गए। इन आभूषणों की कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई जा रही है। छोटेलाल ने बताया कुल करीब छह लाख रुपये की चोरी हुई है। बताया की घर के पिछवाड़े लगे चैनल का ताला तोड़कर चोर घर के अंदर घुसे। उन्होंने स्थानीय पुलिस को घटना की तहरीर दी। सूचना मिलते ही घोरावल चौकी इंचार्ज देवेंद्र प्रताप सिंह पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू की। इस मामले में अभी चोरों का कोई सुराग नहीं लगा है।

प्रशिक्षण में सात कार्मिक रहे अनुपस्थित, होगी कार्रवाई

सोनभद्र । लोढ़ी स्थित पालीटेक्निक कालेज में सोमवार को दूसरे दिन भी मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया। सात कार्मिक अनुपस्थित रहे। सभी अनुपस्थित कार्मिकों को नौ फरवरी को प्रशिक्षण प्राप्त करने का दूसरा मौका दिया गया है। डीएम ने चेतावनी दी कि अगर उक्त तिथि पर वह उपस्थित नहीं होते हैं तो विधिक कार्रवाई कर एफआईआर दर्ज की जाएगी। प्रशिक्षण में पहुंचे जिलाधिकारी टीके शिबू ने प्रशिक्षण प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पीठासीन व मतदान अधिकारी प्रथम से कहा कि वह प्रशिक्षण प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझें, जिससे मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पडे।' कराने के लिए प्रशिक्षण बेहतर ढंग से प्राप्त करना अनिवार्य है। प्रशिक्षण के दौरान कार्मिकों को ईवीएम के बारे में बताया गया। सोमवार को अनुपस्थित सात कार्मिकों में पंकज कुमार शर्मा कैशियर आर्यावर्त बैंक, संदीप रिझारिया सहायक अध्यापक, अभिषेक कुमार सहायक अध्यापक, कृष्णकांत भारती प्रधानाध्यापक, प्रमोद कुमार चौधरी अवर अभियंता, विकास जायसवाल पीओ, नंदलाल प्रसाद वरिष्ठ सहायक रहे।

धान खरीद में हो रही परेशानी को लेकर भाकियू ने किया प्रदर्शन

चुनार (मीरजापुर) । भारतीय किसान यूनियन ने जिलाध्यक्ष कंचन सिंह फौजी के नेतृत्व में धान खरीद में हो रही परेशानी के निराकरण की मांग को लेकर तहसील मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। साथ ही तहसीलदार अरुण कुमार गिरि के माध्यम से मुख्यमंत्री को चार सूत्रीय मांग पत्र भेजा। किसानों का कहना था कि धान खरीद के नियमों में हो रहे लगातार बदलाव के कारण किसानों का हित प्रभावित हो रहा है। एक किसान से मात्र 60 क्विटल ही धान की खरीद की जा रही है। पत्र के माध्यम से धान खरीद 31 मार्च तक बढ़ाए जाने, एक कांटे पर तीन सौ क्विटल धान खरीद सुनिश्चित कराने, जो किसान पंजीकरण के बाद अपना नंबर लगा चुके हैं उनका धान शत-प्रतिशत खरीदे जाने और धान बिक्री का भुगतान ससमय कराने की मांग की गई। इस दौरान जिला महासचिव विरेंद्र सिंह, प्रदेश सचिव प्रह्लाद सिंह, मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह, रतन चौरसिया, अवधेश नारायण सिंह, भोला गिरि, सुधाकर चौरसिया, नंदलाल पटेल, रामकेश, बबलू मौर्य, राकेश यादव, पप्पू आदि थे।

एक माह से मोटर पंप जला, पेयजल किल्लत से बढ़ी मुसीबत

जमालपुर (मीरजापुर) । क्षेत्र के भुइलीखास गांव में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति विभाग की ओर से दो मोटर पंप के सहारे पानी आपूर्ति किया जाता है। एक माह पूर्व जले एक मोटर पंप के अब तक न बदले जाने से ग्रामीणों को पानी की किल्लत होने लगी है। विभागीय ठेकेदार तीन सप्ताह पूर्व मोटर पंप बनवाने के लिए ले गया, लेकिन अब तक न लगवाए जाने से लोग मुसीबत झेलने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने बताया कि संबंधित विभाग की उपेक्षा से ग्रामीणों को भारी असुविधा हो रही है। एक मोटर पंप के सहारे पानी सप्लाई किया जा रहा है। कोट मुस्लिम बस्ती ऊंचाई पर होने के कारण पानी की समस्या उत्पनन्न हो गई है। सरकारी हैंडपंप से ग्रामीण गंदा पानी लेकर पीने को विवश हैं। गांव में कुल करीब पांच हजार मतदाता हैं।

मिनटों में बिका भारत-पाकिस्तान मैच का टिकट, इस दिन होगा मैच

नई दिल्ली। इस साल आस्ट्रेलिया में 23 अक्टूबर को होने वाले भारत और पाकिस्तान के बीच टी-20 विश्व कप के मुकाबले के सभी टिकट बिक गए हैं।

आइसीसी ने सोमवार को इस विश्व कप के लिए टिकटों की बिक्री की घोषणा की थी और इसके कुछ मिनटों बाद ही सभी टिकट बिक गए। इसके अलावा 27 अक्टूबर को एससीजी में डबल हेडर दक्षिण अफ्रीका बनाम बांग्लादेश और भारत बनाम ग्रुप ए उपविजेता मैच की भी सभी टिकटें बिक गई हैं। टूर्नामेंट 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच आस्ट्रेलिया में खेला जाएगा। इस दौरान होने वाले 45 मैचों की प्री-सेल अवधि के दौरान 200,000 टिकट बिके हैं। विश्व क्रिकेट की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता में से भारत बनाम पाकिस्तान मैच की टिकटें महज पांच मिनट में बिक गईं। बता दें कि पिछले साल यूएई में खेले गए आइसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में भी टीम इंडिया और पाकिस्तान का मैच हुआ था। इस दौरान बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम ने विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम को हराकर इतिहास रच दिया था। पहली बार ऐसा हुआ कि पाकिस्तान की टीम से टीम इंडिया वर्ल्ड कप में कोई मैच हारी पहली बार आस्ट्रेलिया में मेंस टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन हो रहा है। इस देखने 800,000 से अधिक प्रशंसकों के आने की उम्मीद है। आइसीसी मेंस टी 20 वर्ल्ड कप 2022 आस्ट्रेलिया में 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच आयोजित किया जाना है। मैच सात स्थानों मेलबर्न, सिडनी, ब्रिस्बेन, एडिलेड, जिलांग, होबार्ट और पर्थ में कुल 45 मैच खेले जाएंगे। पिछले साल यूएई में खेले गए आइसीसी टी-20 वर्ल्ड कप को आस्ट्रेलिया ने अपने नाम किया था। ऐसे में टीम पर खिताब को बरकरार रखने की चुनौति होगी। इसे लेकर टीम के कप्तान अरोन फिंच ने कहा, ' आइसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप का अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने बचाव करने के लिए एक शानदार और बहुत बड़ा सम्मान होने वाला है। दुनिया के सबसे बेहतरीन खिलाडियों के साथ टीमें आस्ट्रेलिया आएंगी। आस्ट्रेलियाई प्रशंसकों के लिए यह एक शानदार अवसर है। हमने 2015 में वनडे विश्व कप और आइसीसी महिला टी20 विश्व कप में घरेलू दर्शकों के समर्थन की शक्ति को महसूस किया है। पूरे देश का समर्थन और इसे यादगार विश्व कप बनाना बहुत शानदार होगा।'

आस्ट्रेलिया क्रिकेट को झटका, लैंगर के इस्तीफे के बाद इस पूर्व खिलाड़ी ने कोच बनने से किया इन्कार

एडिलेड। जस्टिन लैंगर ने आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने शनिवार को उनके इस्तीफे को मंजूर कर लिया। उसने कहा कि जस्टिन को उनके वर्तमान अनुबंध के लिए एक अल्पकालिक विस्तार की पेशकश की गई थी, जिसे दुख की बात है कि उन्होंने स्वीकार नहीं करने का विकल्प चुना है। इसे लेकर सीए और आस्ट्रेलियाई टीम की काफी आलोचना हो रही है। रिकी पोंटिंग समेत कई पूर्व खिलाडियों ने टीम और बोर्ड को आड़े हाथ लिया है। इस बीच पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने मंगलवार को कहा कि उन्हें आस्ट्रेलियाई टीम की कोचिंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। गिलेस्पी ने कहा, 'मैं किसी भी काम के लिए खुद को आगे नहीं रख रहा हूं। मैं साउथआस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। मुझे यहां बहुत काम करना है और मैं इसे पूरी तरह से पसंद कर रहा हूं। 2018 में बाल टैंपरिंग विवाद के बाद डैरेन लेहमैन की गिलेस्पी को कोच बनाने की चर्चा काफी तेज थी, लेकिन लैंगर को कोच बनाया गया था। ऐसे में एक बार फिर उनके नाम पर चर्चा हो कही है। इसे लेकर उहोंने कहा, 'इस तरह से सोचा जाना अच्छा है, लेकिन यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके बारे में मैं सोच रहा हूं। मुझे यहां साउथ आस्ट्रेलिया में दुनिया का सबसे बढिया काम मिला है और मुझे दो शानदार भूमिकाएं मिली हैं (बिग बैश में एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ)। इसलिए मैं पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं और उन पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।' लैंगर के इस्तीफे के बारे में बात करते हुए गिलेस्पी ने कहा, ' मुझे लगता है कि जिस तरह से चीजें घटी हैं हर कोई उससे बहुत निराश है। ईमानदारी से कहूं तो यह दिल तोड़ने वाला है। जस्टिन ने खुद को बहुत अच्छी तरह से संभाला लेकिन मुझे लगता है कि स्थिति को थोड़ा बेहतर तरीके से संभाला जा सकता था। हमें नहीं पता कि बंद दरवाजों के पीछे क्या चल रहा है। क्या वर्तमान खिलाड़ी जस्टिन तक पहुंचे। मुझे लगता है कि उन्होंने पिछले कुछ सालों में आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा काम किया।'

पीएसजी ने लीग-1 मुकाबले में लीले को हराया, मेसी ने भी दागा गोल

पेरिस। लियोन मेसी ने पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की लीग-1 मुकाबले में गत चैंपियन लीले के खिलाफ 5-1 की जीत में अपना योगदान दिया। इस जीत के साथ ही पीएसजी की टीम ने शीर्ष स्थान पर मजबूत बढ़त बना ली है और उसके 23 मैचों में 56 अंक हो गए हैं। पीएसजी के लिए डेनिलो पेरेइरा ने 10वें मिनट में बाएं कार्नर से शाट मारा जो गोल पोस्ट को पार कर गया। हालांकि, लीले की ओर से स्वेन बोटमैन ने हातेम बेन आरफा के पास पर 28वें मिनट में गोल दाग टीम को बराबरी दिलाई। इसके चार मिनट बाद ही पीएसजी के लिए प्रेसनेल किमपेंबे ने मेसी के पास पर 32वें मिनट में गोल कर टीम को फिर 2-1 की बढ़त दिला दी। पहला हाफ खत्म होने से कुछ समय पहले पीएसजी के मेसी ने 38वें मिनट में बाक्स के सेंटर से शाट मारा जो गोल पोस्ट को पार कर गया। इस तरह पहला हाफ खत्म होने तक पीएसजी ने 3-1 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में पीएसजी ने आक्रामक खेल को जारी रखा और डेनिलो ने लिआंद्रो पारेडेस के पास पर 51वें मिनट में गोल दाग टीम की बढ़त 4-1 कर दी। फिर काइलियन मबापे ने माकी वेराती के पास पर 67वें मिनट में गोल कर मैच एकतरफा बना दिया। लीले की टीम अंतिम सीटी तक अन्य गोल नहीं कर सकी। याओंडे, एपी। सेनेगल ने पेनाल्टी शूटआउट में मिस्त्र को 4-2 से हराकर पहली बार अफ्रीकी कप का खिताब अपने नाम किया। सादियो माने ने पेनाल्टी शूटआउट में गोल दागकर मैच के निर्धारित समय के भीतर पेनाल्टी चूकने का खामियाजा भर दिया। इससे पहले, दोनों टीमों के बीच निर्धारित समय तक मैच गोलरहित बराबरी पर था। माने ने अपने साथी खिलडियों के साथ जीत का जशन मनाया लेकिन मुहम्मद सलाह को सांत्वना भी दी जिनकी आंखों में आंसू थे।

उठापटक से भरे मैच में गुजरात जाएंट्स ने बेंगलुरू बुल्स को 4 अंक से हराया

बेंगलुरु। गुजरात जाएंट्स ने अंतिम रेड तक खिंचे उठापटक स भरे मैच में बेंगलुरू बुल्स पर जीत के साथ अंक तालिका में दो स्थान की छलांग ली है। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन के 99वें और राइवलरी लीक के अंतिम मैच में गुजरात ने बुल्स को 40-36 से हराया। इस जीत के साथ गुजरात नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। गुजरात के लिए परदीप कुमार ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 14 अंक लिए। इसके अलावा अजय ने 8 अंक लिए। डिफेंस में कप्तान सुनील ने हाई-5 लगाया जबकि परवेश भैंसवाल ने 4 अंकों के साथ उनका बेहतरीन साथ दिया। बुल्स को आठवीं हार मिली है। बुल्स के लिए पवन सेहरावत ने 12 और भरत ने 11 अंक लिए। चार मिनट के बाद स्कोर 5-5 था। बुल्स ने पवन सहरावत के तीन अंकों की बदौलत तीन की लीड ले ली थी लेकिन गुजरात ने आलआउट बचाते हुए बराबरी कर ली। पांच के डिफेंस में पवन डू ओर डाई रेड पर गए लेकिन लपक लिए गए। अब गुजरात ने 7-6 की लीड ले ली। भरत ने हालांकि अगली दो रेड पर दो अंक लेकर बुल्स को लीड पर ला दिया। 13वें मिनट में गुजरात के लिए सुपर टैकल आन था। परवेश भैंसवाल और सुनील ने पवन को लपक अपनी टीम को दो अंक दिलाए और आलआउट टाला। स्कोर 10-10 हो गया था। इसके बाद परदीप ने सुपर रेड के साथ गुजरात को 13-10 से आगे कर दिया। 17वें मिनट में हालांकि पवन ने भी सुपर रेड के साथ स्कोर 14-14 कर दिया। पहले हाफ की समाप्ति तक स्कोर 15-14 से गुजरात के पक्ष में रहा। इस हाफ में बुल्स को 10 और गुजरात को 9 रेड अंक मिले जबकि डिफेंस में गुजरात ने पांच जबकि बुल्स ने तीन अंक लिए। दोनों टीमों की ओर से एक-एक सुपर रेड लगा और दोनों को एक-एक अतिरिक्त अंक मिला। गुजरात के डिफेंस ने दो बेहतरीन टैकल किए। बुल्स ने दीपक नरवाल को बुलाया लेकिन आते ही वह डू ओर डाई रेड पर सुनील द्वारा लपक लिए गए। सुनील ने अपना हाई-5 पूरा किया। दोनों टीमों को अंक मिल रहे थे लेकिन गुजरात की लीड 2 की बनी हुई थी।

U19 वर्ल्ड कप विजेता खिलाडियों को और पालिश करने के लिए बीसीसीआइ बना रही है नई योजना

नई दिल्ली। कमल पासी ने कुछ सत्र पहले पंजाब के लिए कुछ मैच खेले, रविकांत सिंह अब भारतीय क्रिकेट योजना के करीब नहीं हैं

और अपने करियर के बेहतर दिनों के चार साल बाद भी मनजोत कालरा अगले स्तर पर रफ्तार नहीं पकड़ सके। ये सभी खिलाड़ी अंडर-19 विश्व कप विजेता रहे हैं, लेकिन समय के साथ अपनी लय को बरकरार रखने में सफल नहीं रहे। यह ऐसा मुद्दा है जिस पर बीसीसीआइ को गंभीरता से काम करना होगा। इसलिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) इन खिलाडियों के भविष्य को संवारने के लिए '19 प्लुस (19 साल से अधिक आयु वाले)' खिलाडियों को जोड़ सकता है। यह इस बात को सुनिश्चित करेगा कि अंडर-19 स्तर के खिलाड़ी इस उम्र सीमा को पार करने के बाद भी क्रिकेट प्रणाली का हिस्सा बने रहे। शेख रशीद (आंध्र), रवि कुमार (बंगाल), राज अंगद बावा (चंडीगढ़) या यश ढुल (दिल्ली) ऐसे खिलाड़ी हैं जो अभी अपने राज्य की टीमों में जगह बना सकते है। लेकिन मौजूदा भारत अंडर-19 टीम के कई खिलाड़ी इस स्तर और रणजी ट्राफी के बीच में फंस जाएंगे। भारतीय घरेलू प्रणाली में पहले राज्य स्तर पर अंडर-23 की टीमें होती थी, लेकिन उसे बाद में अंडर-25 कर दिया गया। इस श्रेणी में हालांकि पहले से बहुत से दावेदार हैं। बीसीसीआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी भविष्य में भारत की सीनियर टीम के लिए विकासशील खिलडियों की एक पांच स्तरीय प्रणाली पर काम कर सकती है। अभी यह अंडर-16 से शुरू होती है। इसके बाद अंडर-19, इमर्जिंग (राष्ट्रीय अंडर-23) और ए टीम शामिल है। इसमें '19 प्लुस' का स्तर जोड़ने की योजना है जहां इन सभी लड़कों को शामिल किया जा सके।' इन सभी स्तरों के बीच, बीसीसीआइ अंडर-25 (अब राज्य ए टीम के रूप में जानी जाती है) में मूल रूप से उन खिलडियों को मंच देने के लिए है जो सीनियर स्तर पर जगह बनाने में असमर्थ रहते हैं। अंडर-19 और इस स्तर की दूरी को कम करने के लिए ही '19 प्लुस' टीम की योजना पर विचार किया जा रहा है। एनसीए परिसर के अंदर जब प्रथम श्रेणी स्तर की चार नई पिच तैयार हो जाएंगी तो अकादमी अपनी '19 प्लुस' टीम को तैयार कर सकेगी। यह टीम वहां मौजूद अन्य टीमों के खिलाफ मैच खेल सकेगी और कोच, फिजियो उनकी प्रगति की नियमित रूप से निगरानी कर सकेंगे।

पाकिस्तान दौर के लिए आस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम का चयन, एश्टन एगर की वापसी

मेलबर्न। पाकिस्तान के आगामी दौरे के लिए 18 खिलाडियों वाली आस्ट्रेलिया टेस्ट टीम का राष्ट्रीय

चयन पैनल (एनएसपी) ने मंगलवार को चयन किया। टीम की कमान पैट कमिंस के हाथ में है, वहीं एश्टन एगर की टीम में वापसी हुई है।पाकिस्तान में जन्मे उस्मान ख्वाजा भी टीम में हैं। आस्ट्रेलियाई टीम 1998 के बाद पहली बार तीन टेस्ट मैचों, तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी। टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ी और कर्मचारी इस महीने के अंत में पाकिस्तान के लिए रवाना होने वाले हैं। वहीं वनडे और टी-20 के लिए टीम की घोषणा बाद में होगी। एनएसपी के अध्यक्ष जार्ज बेली ने कहा, 'टीम का चयन सभी परिस्थितियों और परिदृश्यों को ध्यान में रखकर किया गया है।कई उपमहाद्वीप के दौरों और भारत में वनडे विश्व कप को ध्यान में रखा गया है। एशेज सीरीज जीतने के बाद यह टीम के लिए पहली बड़ी चुनौती है। यह एक बहुत ही ऐतिहासिक दौरा भी है, क्योंकि आस्ट्रेलियाई टीम लंबे समय बाद पाकिस्तान का दौरा कर रही है।' बता दें कि पिछले हफ्ते जस्टिन लैंगर ने आस्ट्रेलिया के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था और एंड्र्यू मैकडोनाल्ड अंतरिम मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। रिकी पोंटिंग सहित कुछ अन्य पूर्व खिलाडियों ने लैंगर का समर्थन न करने के लिए टेस्ट कप्तान एशेज सीरीज में ख्वाजा को आस्ट्रेलिया टीम में ओपनर मार्कस हैरिस की जगह खेलने को मौका मिला था। हैरिस को भी टीम में शामिल किया गया है। जोश हेजलवुड, जो चोट के कारण पांच में से चार एशेज टेस्ट में नहीं खेल पाए थे, उनकी भी वापसी हुई है। उनके अलावा पेस अटैक में कमिंस, मिशेल स्टार्क, स्काट बोलैंड, माइकल नेसर और आलराउंडर कैमरन ग्रीन शामिल हैं। नाथन लियोन के अलावा एश्टन एगर और मिशेल स्वेपसन को स्पिन विकल्प के रूप में टीम में जोड़ा गया है। पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर, एश्टन एगर, स्काट बोलैंड, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, मार्कस हैरिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लेयोन, मिशेल मार्श, माइकल नेसार, मिशेल स्वेपसन और मिशेल स्टार्क।

राशिफल

मेष-: आज यात्रा की स्थिति सुखद और लाभकारी रहेगी. काम के सिलसिले में आप पर जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है।

वृष-: आज आप खुद को ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे. आप जो भी काम करेंगे, वह समय से पहले ही पूरा हो जाएगा।

मिथुन-: घृणा पर विजय पाने के लिए संवेदनशीलता के स्वभाव को अपनाएं, क्योंकि घृणा की आग बहुत शक्तिशाली होती है और शरीर के साथ-साथ मन को भी प्रभावित करती है।

कर्क-: आज के दिन किसी काम की तैयारी और शुरुआत करने से पहले तर्क की परीक्षा को गंभीरता से लेना सही रहेगा. संतान पक्ष से सहयोग की कमी रहेगी।

सिंह-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा जातकों को अच्छे ऑफर मिलने के योग हैं। घर में खुशियों का माहौल रहेगा। संतान पक्ष से सुख मिलेगा।

कन्या-: भले ही आप जोश से भरे हों, फिर भी आज आपको कोई ऐसा व्यक्ति याद आएगा जो आज आपके साथ नहीं है. हर निवेश सावधानी से करें और अनावश्यक नुकसान से बचने के लिए उचित सलाह लेने में संकोच न करें।

तुला-: आज आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं, अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं. अधिक पाने के प्रयास में, खोने से भी बचें, खर्चा ज्यादा हो सकता है।

वृश्चिक-: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आपकी इच्छा के अनुसार आपके काम पूरे होंगे। किसी खास विषय पर दोस्तों से बातचीत होगी, जिससे आपको फायदा ही होगा।

धनु-: आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा. संदिग्ध आर्थिक लेन-देन में फंसने से सावधान रहें। आपके माता-पिता का स्वास्थ्य चिंता और घबराहट का कारण बन सकता है।

मकर-: आज काम और घर का दबाव आपको थोड़ा नाराज कर सकता है. आप जिस करियर के बारे में सोच रहे हैं, उसके बारे में अपने दोस्तों की सलाह लेने में संकोच न करें।

कुंभ-: आज आपका मन अध्यात्म की ओर अधिक रहेगा. परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जाएंगे। ऑफिस में किसी काम के लिए आपकी तारीफ होगी।

मीन-: व्यर्थ के विचारों में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें बल्कि इसे सही दिशा में लगाएं। यात्रा और धन खर्च करने के मूड में रहेंगे लेकिन अगर करते हैं तो बाद में पछताना पड़ सकता है।

रोहित-कोहली विवाद की बात को सुनील गावस्कर ने DRS मामले के बाद इस वजह से बकवास करार दिया

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रविवार को अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले एकदिवसीय मैच के दौरान डीआरएस को लेकर रोहित शर्मा और विराट कोहली के बीच जो बातें हुई उसके बाद उन दोनों के बीच के विवाद की पुरानी अफवाहों को बकवास करार दिया। दरअसल भारत व वेस्टइंडीज के बीच खेले गए पहले वनडे मैच के दौरान कोहली ने कप्तान रोहित को डीआरएस लेने के लिए तब मना लिया था जब चहल की एक गेंद शामराह ब्रूक्स के बल्ले का किनारा लेते हुए रिषभ पंत के दस्ताने में चली गई थी। इसके बाद चहल ने अपील की, लेकिन अंपायर ने मना कर दिया था। वहीं रिषभ पंत भी श्योर नहीं थे कि ये कैच था कि नहीं, लेकिन विराट कोहली ने रोहित शर्मा को पूरी तरह से श्योर होकर कहा कि ये आउट है और फिर हिटमैन ने डीआरएस लेने का फैसला किया। कमाल की बात ये रही कि ये फैसला सही साबित हुआ और ब्रूक्स आउट करार दिए गए। अब गावस्कर ने कोहली के इस एक्ट को सही खेल भावना करार दिया और उन अफवाहों को बकवास करार दिया जिसमें कहा जा रहा था कि दोनों खिलडियों के बीच मतभेद है। उन्होंने रोहित व विराट की सराहना करते हुए उनकी प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने बाहरी बातों पर ध्यान नहीं दिया और वो शायद इसलिए कि वो जानते हैं कि सच्चाई क्या है।

रणजी ट्राफी नहीं खेलेंगे हार्दिक पांड्या, प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी का यह है उनका प्लान

नई दिल्ली। आलराउंडर हार्दिक पांड्या भारत की सीमित ओवरों की टीम में वापसी पर ध्यान करने के लिए 10 फरवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्राफी में भाग नहीं लेंगे। बड़ौदा क्रिकेट संघ ने टूर्नामेंट

के पहले चरण के लिए 20 सदस्यीय टीम का एलान किया, जिसमें हार्दिक का नाम नहीं है। केदार देवधर को बड़ौदा टीम का कप्तान बनाया गया, जबकि विष्णु सोलंकी उप कप्तान होंगे। हार्दिक कमर की चोट और फिर 'रिहैबिलिटेशन' के कारण पिछले साल टी-20 विश्व कप से भारतीय टीम से बाहर हैं। टी-20 विश्व कप में गेंदबाजी नहीं करने के लिए उनकी काफी आलोचना हुई थी। उन्होंने दिसंबर 2018 के बाद से लाल गेंद से क्रिकेट नहीं खेला है। उम्मीद है कि वह आइपीएल के जरिये प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे। था, 'हार्दिक चोटिल हो गए थे और उन्हें पूरी तरह से ठीक होने के लिए एक ब्रेक दिया गया था, ताकि वह लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट की सेवा कर सकें। मुझे विश्वास है कि मैं उन्हें शुरुआत में रणजी ट्राफी के कुछ मैच खेलते हुए देखूंगा। मुझे उम्मीद है कि वह और अधिक ओवर फेंकेंगे और उनका शरीर मजबूत होगा।' गौरतलब है कि हार्दिक के भाई क्रुणाल पांड्या को भी टीम में शामिल किया गया है। बड़ौदा की टीम : केदार देवधर (कप्तान), विष्णु सोलंकी, प्रत्युष कुमार, शिवालिक शर्मा, क्रुणाल पांड्या, अभिमन्यु सिंह राजपूत, ध्रुव पटेल, मितेश पटेल, लुकमान मेरीवाला, बाबा सफीखान पठान, अतीत शेठ, भार्गव भट, पार्थ कोहली, शाश्वत रावत, सोयेब सोपारिया, कार्तिक काकाडे, गुरजिंदर सिंह मान, ज्योत्सनिल सिंह, निनाद राठवा, अक्षय मोरे।

2022 की मेगा नीलामी में इस आलराउंडर को खरीदने के लिए रिजर्व रखे हैं 12 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। आइपीएल 2022 के लिए मेगा आक्शन का आयोजन 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में किया जाएगा। इस नीलामी में अगले सीजन में हिस्सा लेने वाले सभी दस फ्रेंचाइजी खिलाडियों पर जमकर बोली लगाने वाले हैं। हालांकि नीलामी से पहले हर फ्रेंचाइजी ने कुछ खिलाडियों को रिटेन किया है, लेकिन पूरी टीम बनाने के लिए हर फ्रेंचाइजी के बीच जबरदस्त प्रतिद्वंदिता देखने को मिलेगी। हालांकि इसमें कोई शक नहीं है कि हर फ्रेंचाइजी की निगाहें कुछ खास खिलाडियों पर जरूर होंगी जो उनकी रणनीति में पूरी तरह से फिट हो सकते। अब पीटीआइ के एक रिपोर्ट के मुताबिक रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की निगाहें इस सीजन में वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान व आलराउंडर जेसन

होल्डर पर लगी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक आरसीबी होल्डर को खरीदने के लिए बेताब है। रिपोर्ट के हवाले से सूत्र ने दावा किया है कि विराट कोहली की टीम ने होल्डर को नीलामी में खरीदने के लिए 12 करोड़ का बजट रखा है। टीम से जुड़े एक करीबी सूत्र ने पीटीआइ को बताया कि जेसन होल्डर के लिए आरसीबी ने 12 करोड़ रुपये रिजर्व रखा है जबकि अंबाती रायुडू के लिए 8 करोड़ रुपये तो वहीं रेयान पराग के लिए 7 करोड़ रुपये रखे हैं। आपको बता दें कि इस बार हर टीम को खिलाडियों को खरीदने के लिए 90 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है। इसमें से आरसीबी ने पहले ही तीन खिलाडियों को रिटेन किया था जिसमें विराट कोहली को 15 करोड़, ग्लेन मैक्सवेल को 11 करोड़ और मो. सिराज को 7 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। 57 करोड़ रुपये बचे थे। अब इस टीम ने अगर जेसन होल्डर, अंबाती रायुडू और रेयान पराग पर 27 करोड़ खर्च कर दिये तो उनके पर्स में 30 करोड़ शेष रहेंगे।

सम्पादकीय

रोजगार के मोर्चे पर नैया पार लगाने के लिए सेवा क्षेत्र के ढांचे को मजबूत करे सरकार

गत सप्ताह पेश बजट में कई सार्थक पहल की गई हैं। इनमें डिजिटल करेंसी पर बहुत चर्चा हुई है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि दुनिया भर में मुद्रा के स्तर पर नए तकनीकी परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। इसका ही एक स्वरूप डिजिटल मुद्रा है। पारंपरिक मुद्रा के लिए सरकार को नोट छापने पड़ते हैं। इसका खर्च देश पर पड़ता है। आपको नोट को अपनी जेब में रखना पड़ता है। नोट खराब भी हो जाते हैं। डिजिटल करेंसी में यह खर्च और जोखिम कम हो जाता है। जैसे नोट पर एक नंबर छपा होता है, उसी प्रकार डिजिटल करेंसी का एक नंबर रिजर्व बैंक बनाएगा। आप रिजर्व बैंक को भुगतान कर वह नंबर ले सकते हैं। वह नंबर रिजर्व बैंक के कंप्यूटर में दर्ज हो जाएगा कि इस नंबर की डिजिटल करेंसी अमुक व्यक्ति की है। जब वह व्यक्ति उसे किसी को हस्तांतरित करेगा तब रिजर्व बैंक का कंप्यूटर पुष्टि कर देगा कि डिजिटल करेंसी वास्तव में उस व्यक्ति की ही है। उसके बाद वह नंबर पाने वाले के खाते में चढ़ जाएगा। कागज बनाने, नोट छापने, गाड़ियों से देश भर में पहुंचाने और बैंक से वितरित करने आदि पर आने वाला खर्च भी घट जाएगा। हालांकि इससे अर्थव्यवस्था की मूल स्थिति में विशेष सुधार नहीं होगा, परंतु पारदर्शिता जरूर बढ़ेगी, क्योंकि इसे आसानी से ट्रैक किया जा सकता है। पारंपरिक मुद्रा की जानकारी आरबीआइ के पास नहीं होती। जैसे रिजर्व बैंक यह जानना चाहे कि अमुक नंबर का नोट किस व्यक्ति के पास है तो उसका पता लगना मुश्किल है। वहीं डिजिटल करेंसी का नंबर कंप्यूटर में धारक के खाते में दर्ज हो जाएगा और यह पता लग सकेगा कि अभी इस नोट का मालिक कौन है? इससे भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है। इनकम टैक्स विभाग चेक कर लेगा कि किसने कितनी रकम किसको दी? वैसे भ्रष्टाचार करने वाले इसका भी कोई तोड़ निकालने का प्रयास कर सकते हैं। वित्त मंत्री ने बजट में मेक इन इंडिया को सहारा दिया है। केमिकल्स इत्यादि जिन वस्तुओं के उत्पादन की भारत में भरपूर क्षमता है, उन पर आयात कर बढ़ाए गए हैं। सरकार चाहती है कि जो माल हम बना सकते हैं, वह हम स्वयं बनाएं और उसका आयात न करें। रक्षा क्षेत्र में पिछले साल 58 प्रतिशत घरेलू खरीद थी, जिसे इस साल 68 प्रतिशत किया गया है। यह बहुत ही सकारात्मक संकेत है। उन कच्चे माल का आयात सरल किया गया है, जिससे देश में उत्पादन बढ़े। जैसे मोबाइल फोन बनाने में एक परेशानी कैमरा लेंस की आती है। अब इस लेंस का आयात सरल किया गया है ताकि हम मोबाइल फोन बना सकें। यह भी सकारात्मक कदम है। इन कदमों के बावजूद अर्थव्यवस्था के रफ्तार पकड़ने में संशय है। बाजार का चक्का घुमाने को दो तरह की नीति चाहिए होती है। एक डिमांड साइड पालिसी और दूसरी सप्लाई साइड पालिसी। इसे ऐसे समझिए कि आलू की बिक्री बढ़ाने के दो उपाय हैं। यदि उसकी मांग बढ़ जाए तो किसान ज्यादा आलू ले आएंगे, क्योंकि सब बिक जाएगा। यह डिमांड साइड पालिसी हुई। दूसरा उपाय यह कि आलू की सप्लाई बढ़ जाए और उसका दाम घट जाए तो जो खरीदार अभी तक आलू नहीं खरीद रहे थे, वे भी आलू खरीदने लगेंगे। इससे भी आलू बिक जाएगा। यह सप्लाई साइड पालिसी हुई। दोनों तरह से बाजार चल सकता है। अंतर यह है कि डिमांड साइड पालिसी में निश्चिंतता ज्यादा होती है। आलू की मांग होगी तो विक्रेता कहीं न कहीं से आलू ले ही आएगा, लेकिन सप्लाई साइड पालिसी में अनिश्चितता बनी रहती है। सप्लाई बढ़ गई और दाम घट गए तो जरूरी नहीं कि खरीदार आ ही जाएगा। ऐसे तमाम उदाहरण हैं। इसलिए डिमांड साइड पालिसी को अपनाना चाहिए, लेकिन सरकार उसी सप्लाई साइड पालिसी को लागू कर रही है, सरकार छोटे उद्योगों के लिए कर्ज सस्ता कर रही है। उद्योगों को 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' दिया गया है। इससे माल सस्ता हो गया, लेकिन बाजार में मांग ही नहीं है। इसलिए ऐसे कदम अपेक्षित सफलता नहीं दिला पाएंगे। जैसे आलू सस्ता हो गया, लेकिन खरीदार नहीं है तो सस्ता आलू किस काम का हमारी आर्थिक वृद्धि दर कोविड से प्रभावित है और इसी कारण सरकार मांग नहीं पैदा कर पा रही है। आम आदमी के हाथ में क्रय शक्ति नहीं दे पा रही है। माल सस्ता कर देंगे। ही नहीं खरीद पा रहा हूं तो मैं कपड़े का क्या करूंगा यह यह विषय रोजगार से भी जुड़ा है। यदि आपको बाजार में मांग पैदा करनी है तो आम आदमी को रोजगार देना होगा।

दिल्ली के कुछ खास इलाकों में अपराध नियंत्रण में क्यों विफल रही

'बीज' बोते वक्त हम एक परिकल्पना तो करते ही हैं कि इस 'वृक्ष' से हमें कैसे और कौन से फल खाने को मिलेंगे। स्वाभाविक है 1947 में जब देश विभाजन के बाद दिल्ली में रिफ्यूजी बसाए गए तो कस्तूरबा नगर की परिकल्पना भी एक सुंदर स्थान के रूप में की गई। जिसका बोध इस स्थान के नाम से भी होता है। इसे अंहिसा के पुजारी की जीवनसंगिनी कस्तूरबा के नाम से सुसज्जित किया गया। जी वही कस्तूरबा नगर जहां गणतंत्र दिवस के दिन एक युवती के साथ अपराध हर शर्मिंदगी और घिनौनेपन की पराकाष्ठा को तार-तार किया गया था। मौन में मिटी मानवीयता : यहां किसी ने यह सवाल सोचा कि यह सब उसी कस्तूरबा नगर में क्यों हुआ जहां पुलिस किसी मामले की जांच को इलाके में जाना चाहे तो मजाल है वहां कदम रख दे औरतें ही वहां पुलिस वालों को लताड़ कर उलटे पांव फेर देती हैं। लिहाजा पुलिस इस इलाके में जाने से कतराती है। हां, बाहर बेरिकेड लगाकर जरूर अपने आधू-अधूरे दायित्व की क्षतिपूर्ति करती है। आपको याद ही होगा, लगभग ढाई साल पहले भी इसी कस्तूरबा नगर में एएसआइ राजकुमार की हत्या, पुलिस बूथ के पास कर दी गई थी। उस समय भी आसपास के लोग तमाशबीन बने रहे थे। यही मौन उस स्थान पर उस वक्त भी रहा जब एक युवती की इज्जत सरेआम तार-तार हो रही थी। इस मौन से अपराध को तो बल मिलता ही है, मानवीयता भी कितनी अपमानित होती है इसका इल्म उन चुप रहने वालों को भी काश होता। इतिहास में भी यह परिलिक्षित होता रहा है कि पापियों, अपराधियों की उद्दंडता से तो समाज को नुकसान हुआ ही, लेकिन उससे दोगुनी क्षति इस मौन से पहुंची है, पहुंच रही है। इसी तरह की घटनाओं पर या महिलाओं के साथ सड़क पर, सरेआम हो रही छेड़छाड़ पर कोई हस्तक्षेप क्यों नहीं करता, उस अपराध को क्यों नहीं रोकता, इसके लिए बायस्टेंडर बिहेवियर ने एक स्टडी की है। इसमें अधिकतर लोग या तो अपनी सुरक्षा की चिंता की वजह से विरोध नहीं करते या पुलिस के पचड़े में पड की वजह से। लेकिन ऐसा सोच रखने वाले निश्चित ही इस कड़वे सच से अनभिज्ञ लगते हैं कि कल ऐसा आपके साथ भी हो सकता है। हां, लोग बाद में संवेदना व्यक्त करने के नाम पर ऐसे मामलों को सांप्रदायिक रंग देने की मंशा से जरूर ऐसे समुदायों के बीच पहुंचते हैं। बहरहाल यहां 'मौनऽ विषय नहीं है। मौन कहां सही है, कहां गलत, उसका जवाब समय देता है। जो लोग एक युवती के साथ दरिंदगी होती देखते रहे, सामने नहीं आए, विरोध नहीं किया, ऐसा पहले होता भी आया है। किसी भी शहर में अवैध तस्करी का कारोबार बगैर पुलिस संरक्षण के पनप नहीं सकता तो भला यह

कस्तूरबा नगर की शराब तस्करी क्या बला है। दरअसल 1947 में बंटवारे के बाद जब भारत में शरणार्थी आए तो दिल्ली में इन्हें सीमा के आसपास ही बसाया गया था। धीरे-धीरे देश की राजधानी का विस्तार हुआ और जिस जगह इन्हें बसाया गया वह एक तरह से बीच में आ गई। उस समय किंग्सवे कैंप से लेकर, ब्रह्मपुरी, नंदनगरी तकरीबन 45 रिफ्यूजी कालोनी इनके लिए बसी थीं। उन्हीं में पूर्वी दिल्ली का इलाका कस्तूरबा नगर भी है जहां सांसी और भेड़कुट जाति का एक वर्ग शरणार्थी के तौर पर बसाया गया था। ये लोग यहां आए तो रोजी रोटी के साथ गुजर-बसर करने, लेकिन परिवार के लिए मेहनत का रास्ता चुनने के बजाय कच्ची शराब की अवैध तस्करी करने में लिप्त हो गए और जैसाकि सर्वविदित है यह अपराध पुलिस के संरक्षण से ही पनपता गया और आज यही वजह है कि पुलिस के लिए वहां झांकना तक मुश्किल है, वहां से हटाना या कार्रवाई करना तो बहुत दूर की कौड़ी है। शाहदरा क्षेत्र में पड? वाली इस संकरी गलियों वाली कालोनी में पुलिस ने पिछले कई दशकों में किसी अपराध को निपटाने की मुहिम क्यों नहीं छेड़ी एक समय इस इलाके के एक एसएचओ जरनैल सिंह ने कोशिश भी की और पूरी पुलिस टीम के साथ वहां गए, लेकिन महिलाओं की आक्रामकता इतनी अधिक थी कि कहा जाता है कि वहां से उन्हें खदेड़ दिया गया और पुलिस वहां से उल्टे पैर लौट आई। ऐसी घटनाओं के बावजूद दिल्ली का पुलिस सिस्टम इस कालोनी में पनप रही चुनौती का पटाक्षेप नहीं कर सका। यह अपने आप में दिल्ली के पुलिस सिस्टम पर सवाल खड़ा करता है। एक तरफ पुलिस सुधार और सुरक्षित माहौल देने की दिशा में वर्तमान पुलिस आयुक्त और पूर्व में भी पुलिस आयुक्त द्वारा पहल होती रही है, लेकिन देश की राजधानी के लिए शराब तस्करी का फलता फूलता यह अवैध व्यापार और अपराध भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। पुलिस व्यवस्था के संदर्भ में कस्तूरबा नगर में जो अब तक होता आया है, उसका दोहराव नहीं हो इस संकल्प के साथ इन अवैध गतिविधियों को खत्म करना ही होगा। जिम्मेदारी तो कस्तूरबा नगर विधानसभा सीट से अब तक समय-समय पर जीत दर्ज कर चुके विधायकों की भी बनती है, जिन्होंने यहां अपराध खत्म करने जैसे वादे भी किए। वर्ष 1993 में जब से यह विधानसभा सीट गठित हुई, तब से यहां भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी तीनों के ही विधायक बन चुके हैं, लेकिन कस्तूरबा नगर को अपराध के चंगुल से निकालने का प्रयास किसी ने नहीं किया।

मौखिक निर्देश पर महाराष्ट्र में फंसती नौकरशाही

एक लोकतांत्रिक देश को ठीक से चलाने के लिए स्वाधीनता प्राप्ति के बाद देश के भाग्य विधाताओं ने काफी सोच-विचार करके ही न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका आदि का गठन किया होगा। इनके चयन और चुनाव की प्रक्रिया तय की गई होगी। गलतियां होने पर उन्हें सुधारने की व्यवस्था भी दी गई होगी। लेकिन आज लोकतंत्र के उक्त तीनों अंगों की जिम्मेदारियां गड्ड-मड्ड होती दिखाई दे रही हैं। वैसे ये गड्ड-मड्ड कई राज्यों में हो रहा है, लेकिन इसका सबसे सटीक उदाहरण इन दिनों महाराष्ट्र में दिख रहा है महाराष्ट्र में तीन दलों की महाविकास आघाड़ी सरकार बनने के बाद से व्यवस्था कम बल्कि दुर्व्यवस्था कुछ ज्यादा खुलकर सामने आ रही है। इससे न केवल सबक लेने की जरूरत है, बल्कि इसमें सुधार के प्रयास भी किए जाने जरूरी हैं। राज्य में इन दिनों किसी न किसी पूर्व या वर्तमान नौकरशाह के ऐसे बयान आ जाते हैं, जिनके कारण राजनीतिक नेतृत्व गंभीर आरोपों में फंसता दिखाई दे रहा है। राज्य सरकार में गृहमंत्री का पद किसी राज्य की कानून व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए बनाया गया है। दुर्भाग्य देखिए, इस राज्य का गृहमंत्री ही इन दिनों कई गंभीर आरोपों में अपने पद से इस्तीफा देकर अब जेल की हवा खा रहा है। पुलिस आयुक्त का पद किसी बड़े महानगर की पुलिस को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए बनाया गया होगा। आज मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त पर ही हफ्तावसूली के कई मामले दर्ज हैं।

सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महिलाओं को उम्मीदवार व मतदाता के तौर पर राजनीति में भुनाने वाला मुद्दा भी इन दिनों चर्चा में हैं। लेकिन महिलाओं की जिंदगी को प्रभावित करने वाले अन्य अहम मुद्दों पर राजनीतिक दल प्रभावशाली ढंग से हस्तक्षेप करते नजर नहीं आते, न ही सत्ताधारी राज्य सरकारें महिला योजनाओं को लागू करने में अपनी गए। पर बजट में संशोधित अनुमान राशि घटकर 140 करोड़ रुपये रह गए। वित्त वर्ष 2021-22 में इस मद के लिए आवंटित रकम में और कटौती करते हुए इसे 100 करोड़ कर दिया गया। वस्तुस्थिति यह है कि दो साल से केंद्र को संशोधित बजट में कटौती करनी पड़ रही है। जो रकम जारी की गई उसका औसतन 45 प्रतिशत ही खर्च किया जा सका है। परिणामस्वरूप निर्भया पुलिंदा भी भेजते हैं। पर कागजों पर नजर आने वाली सरकार की प्रगतिशील सोच को जब अमल में लाया जाता है, तो अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आते। यह एक बहुत बड़ा सवाल है। यह हकीकत है कि पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं सार्वजनिक परिवहन पर अधिक आश्रित हैं। संयुक्त राष्ट्र विकास कोष ने 2017 में भारत के छह शहरों में एक अध्ययन कराया और पता आवंटित करने का फैसला लिया गया। इस काम में अधिक प्रगति न होते देख 2020 में एक बार फिर राज्य सरकारों के संबधित विभागों के आधिकारियों को इस पर सख्ती से अमल करने के बारे में पत्र लिखा गया। कुल मिलाकर सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को सुरक्षित बनाने में निवेश करने से लड़कियों/ महिलाओं की जिंदगी को गति मिल सकती है। वर्ष 2022-2023 के

विफलता पर पारदर्शिता बरतती हैं। यहां पर मुद्दा देश की महिलाओं की सुरक्षा खासतौर पर सार्वजनिक परिवहन के साधनों में महिला यात्रियों की सुरक्षा को लेकर है। इस संदर्भ में उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि राज्य सरकारें औरतों को सार्वजनिक बसों में सुरक्षित सफर मुहैया कराने में विफल साबित हुई हैं। महिला यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सरकार चाहे कितने भी बड़े दावे करे, मगर जमीनी हकीकत कुछ और ही है। केंद्र की ओर से वित्त वर्ष 2020-21 में सार्वजनिक सड़क परिवहन सेवा में महिला सुरक्षा योजना के तहत बजट में 174 करोड़ रुपये आवंटित किए फंड से सार्वजनिक बसों में ट्रैकिंग डिवाइस-इमरजेंसी बटन लगाने का काम अधूरा है। हाल में पर्यटन-परिवहन संसदीय समिति ने सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं की सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए बनाए गए निर्भया फंड में लगातार कटौती और आवंटित रकम को पूरा खर्च नहीं करने पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। सवाल यह है कि क्या समिति की नाराजगी राज्य सरकारों के लिए कोई महत्व रखती है। संसदीय स्थाई समिति के अलावा भी कई सर्वे सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर आगाह करते रहते हैं व सुधार के लिए सिफारिशों का चला कि भारत में 90 प्रतिशत महिलाएं सार्वजनिक स्थलों पर या तो खुद यौन उत्पीडित की शिकार हुईं या उन्होंने ऐसा होते देखा या इसके बारे में सुना। वास्तव में यह एक ऐसा कड़वा सच है जिससे इन्कार नहीं किया जा सकता। सड़क परिवहन व हाईवे मंत्रालय ने एक अप्रैल 2018 तक सभी सार्वजनिक परिवहन जिसमें सार्वजनिक बस, टैक्सी, कैब, आटो, सवारी टैंपो आदि में ट्रैकिंग डिवाइस और इमरजेंसी बटन लगाना अनिवार्य करने का आदेश जारी किया। इसके लिए मूलभूत ढांचा तैयार करने के लिए निर्भया कोष में से राज्य सरकारों को रकम केंद्रीय बजट में महिला व बाल विकास के लिए 25,172 करोड़ रुपये देने का एलान किया गया है। इस बार पिछले साल की तुलना में बेशक तीन प्रतिशत बजट बढ़ा दिया गया है, मगर देखना है कि सार्वजनिक परिवहन में महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र/ राज्य सरकारें क्या ठोस कदम उठाती हैं। हाईवे निर्माण की रफ्तार में तेजी पर फोकस के साथ-साथ महिला यात्रियों की सुरक्षा को भी प्राथमिकता देने की दरकार है।

देश में ऐसे परिवेश का निर्माण करना होगा जिसमें चुनाव जनहित में नई संभावनाओं को जन्म दे सकें

विधानसभा चुनाव तो केवल पांच प्रांतों में ही हो रहे हैं, मगर देश भर में सभी संचार माध्यम और अधिकांश नेता उसी के संबंध में चर्चा करने, रणनीति बनाने और विश्लेषण करने में व्यस्त हैं। आजकल हर स्तर के चुनावों में प्रदेश की सरकारों का पूरा तंत्र उनकी व्यवस्था में लग जाता है। लोकसभा से लेकर पंचायतों तक के चुनावों का यह सिलसिला लगभग प्रतिवर्ष चलता रहता है। सबसे पहले प्रशासन इस कार्य में अध्यापकों को लगाता है। उसका सीधा प्रभाव बच्चों की शिक्षा और विशेषकर उसकी गुणवत्ता पर पड़ता है। अनेक अवसरों पर लोकसभा के चयनित सदस्य विधानसभा का या विधानसभा सदस्य लोकसभा का चुनाव लड़ते हैं। जीत जाने पर पहला पद छोड़ देते हैं। फिर उपचुनाव होता है। उसका सारा बोझ जनता उठाती है। ऐसा ही तब भी होता है जब कोई व्यक्ति दो जगह से चुनाव लड़कर दोनों क्षेत्रों से विजयी होता है। वहीं दागी उम्मीदवारों ने अपना एक स्थायी मुकाम चुनाव व्यवस्था में बना लिया है। अधिकांश राजनीतिक दल इन पर अपनी निर्भरता स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करते हैं। कुछ संस्थाएं समय-समय पर चयनित, परंतु दागी प्रतिनिधियों के विरुद्ध दर्ज मुकदमों से संबंधित आंकड़े तैयार करती हैं। उन्हें प्रचारित और प्रसारित करती हैं। चूंकि यह सब दशकों से होता आ रहा है, ऐसे में इसे अब चुनाव व्यवस्था का 'आवश्यक' अंग सा मान लिया गया है। ठोस चुनाव सुधारों की आवश्यकता को अब कोई दल खास महत्व नहीं देता। खानापूर्ति के लिए इसे अनेक अवसरों पर बस दोहरा दिया जाता है। यह निश्चित ही चिंताजनक स्थिति है। इससे लोकतंत्र का अहित हो रहा है। ऐसा तब हो रहा है जब पिछले सात दशकों में भारत का मतदाता लोकतंत्र के मूल मंतव्य को समझ गया है। वह अपने वोट का महत्व जान गया है। जिन लोगों ने स्वतंत्रता के बाद के 20 वर्षों को निकट से देखा है, वे ही उस समय जनता और चयनित प्रतिनिधियों के मध्य पारस्परिक सम्मान-सेवा की भावना का सही वर्णन कर सकते हैं। भारतीय जनतंत्र और चुनावतंत्र में इस पारस्परिक विश्वास का ह्रास लोकतंत्र की अनेकानेक सकारात्मक उपलब्धियों पर भारी पड़ता जा रहा है। दुर्भाग्य से सामान्य मतदाता भी हर स्तर के चुनाव में लगातार कमजोर होते नैतिक पक्ष को अब अन्यमनस्क भाव से देखने लगा है। एक सशक्त लोकतंत्र में यह स्थिति अस्वीकार्य मानी जानी चाहिए। समाज के प्रबुद्ध वर्ग को राजनीति से जुड़ी वैचारिक प्रतिबद्धताओं से ऊपर उठकर आगे आना होगा। देश में ऐसे वातावरण का निर्माण करना होगा जिसमें चुनाव जनहित में नई संभावनाओं को जन्म दे सकें, लोगों में जनतंत्र के प्रति विश्वास और आस्था को दृढ़ कर सकें। एक ऐसी व्यवस्था बने, जिसमें उसी व्यक्ति का चयन हो, जो जनसेवा में अपनी संलग्नता को स्थापित कर चुका हो, जिसके पास मतदाता जाकर चुनाव लडने का अनुरोध करें और जिसकी आर्थिक स्थिति उसके चयन में बाधा न बने। 1977 में मतदाताओं ने अपने मत के महत्व को पहचाना था। ऐसे-ऐसे लोग लोकसभा सदस्य चुने गए, जिनके पास व्यय करने के लिए धन नहीं था। वहीं 1980 में जो हुआ, वह अकल्पनीय था। वे आपस में ही झगड? लगे। वे सभी सत्ता से उतार दिए गए। यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि इस सघन अनुभव के बाद भी देश में क्षेत्रीयता और जातीय समीकरणों पर आधारित राजनीतिक दल तेजी से पनपते रहे। जातीय समीकरणों पर आधारित दलों को अपने साथ जोड के लिए राष्ट्रीय दल उत्सुक रहने लगे हैं। जिस ढंग से चुनाव के कुछ दिन पहले दल-परिवर्तन हो रहा है। दल-बदलुओं का जोर-शोर से स्वागत हो रहा है, वह और कुछ भी हो, लोकतंत्र तो नहीं ही है। यदि स्वतंत्रता संग्राम के समय जागृत राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ समर्पण की भावना उसी स्तर पर बनी रहती तो आज देश ने उन समस्याओं का समाधान प्राप्त कर लिया होता, जिनसे पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़ा व्यक्ति भी सम्मानपूर्ण मानवीय जीवन जी सकता। गरीबी हटाओ का नारा करीब पांच दशक पहले लगा था, लेकिन गरीबों की संख्या बढ़ती ही रही। यदि पचास साल पहले इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास किए गए होते तो गांवों और किसानों की स्थिति बदल गई होती। यह मानना ही होगा कि देश के गांवों और किसानों की स्थिति संवारने के इसके लिए मुख्य जिम्मेदारी चयनित प्रतिनिधियों की ही मानी जानी चाहिए। पिछले छह-सात वर्षों में गांवों और किसानों की स्थिति सुधारने के प्रयास हुए, लेकिन उन प्रयासों को आगे बढ़ाने में राजनीतिक वैमनस्यता आड़े आ रही है। कितना अच्छा होता यदि गांव में स्वास्थ्य, शौचालय, पीने के पानी, भवन निर्माण, बैंक खाते, किसान के पास सम्मान निधि का सीधे पहुंचना, किसानों की आय दो-गुनी करने की योजनाएं जैसे नवाचार हर राजनीतिक दल और हर नेता का समर्थन पाते।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू कश्मीर परिसीमन ने कई दिग्गजों की बढ़ाई मुश्किलें, फिर से नया जनाधार तैयार करना बड़ी चुनौती

श्रीनगर । परिसीमन आयोग की सिफारिशों ने न सिर्फ जम्मू कश्मीर में विधानसभा क्षेत्रों का रंग रूप बदल दिया है, बल्कि जम्मू संभाग के कई दिग्गजों को अपने मजबूत किलों से बाहर निकलने को भी मजबूर कर दिया है। इनमें से अधिकांश भाजपा के ही नेता हैं या फिर वह पुराने दिग्गज हैं, जो अपने सियासी दुर्ग बचाने के लिए अन्य दलों को छोड़कर भाजपा की गाड़ी में सवार हुए हैं। उन्हें अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए फिर से सियासी जमीन तैयार करनी पड़ेगी, जो बदले सियासी समीकरणों में किसी चुनौती से कम नहीं होगा। जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के चेयरमैन सैयद अल्ताफ बुखारी को भी अपने लिए नया विधानसभा क्षेत्र तलाशना पड़ रहा है। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री शाम लाल शर्मा, पूर्व उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री सुरजीत सिंह सलाथिया, जम्मू कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री ताराचंद, पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंद्र गुप्ता, पीएमओ में राज्यमंत्री डा. जितेंद्र सिंह के भाई देवेंद्र सिंह राणा, जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के गुलाम हसन मीर व पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद के करीबी जीएम सरूरी को अब अपने लिए नया विधानसभा क्षेत्र तलाशना पड़ रहा है। पैंथर्स पार्टी के हर्ष देव सिंह भी अब किसी नयी सीट के लिए अपने सहयोगियों के साथ मंत्रणा में जुटे हैं। कविंद्र गुप्ता और रमन भल्ला को फिर तैयार करना पड़ेगा जनाधार : जिला जम्मू में गांधीनगर सीट समाप्त कर उसके स्थान पर दक्षिण जम्मू विधानसभा सीट तैयार की गई है। गांधीनगर सीट से भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंद्र गुप्ता के अलावा प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमन भल्ला चुनाव लड़ते रहे हैं।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का खुलासा, जम्मू-कश्मीर में घर रोशन करने में अफसरों ने बुना भ्रष्टाचार का 'सौभाग्य'

जम्मू । जम्मू कश्मीर में बिजली से वंचित प्रत्येक परिवार को बिजली उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई सौभाग्य योजना आम लोगों के लिए खुशहाली लाने में कितनी कारगर रही, यह बाद की बात है, लेकिन यह कई भ्रष्ट ठेकेदोरों और नौकरशाहों के लिए काली कमाई का जरिया जरूर बन गई है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सौभाग्य को कार्यान्वित किए जाने की प्रक्रिया में हुए लाखों रुपये के घोटाले का प्रदेश सरकार को एक अलर्ट नोट जारी करते हुए आरोपित अधिकारियों व अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए लिखा है। एसीबी ने महाप्रशासनिक विभाग के प्रधान सचिव को सौभाग्य योजना में हुए घोटालों की जानकारी दी है। 22 जिलों में बिजली से वंचित करीब 1,88,578 परिवारों को बिजली पहुंचाने के लिए शुरू की गई थी। एसीबी ने इस योजना में हुए घोटालों की जांच जिलेवार की है।

लता जी का शरीर पूरा हो गया लगता है जैसे माँ सरस्वती इस बार अपनी सबसे प्रिय पुत्री को ले जाने ही स्वयं आयी थीं

(आधुनिक समाचार सेव)
दिनेश यादव

मैहिर।मृत्यु सदैव शोक का विषय नहीं होती। मृत्यु जीवन की पूर्णता है लता जी का जीवन जितना सुन्दर रहा है, उनकी मृत्यु भी उतनी ही सुन्दर हुई है।93 वर्ष का इतना सुन्दर और धार्मिक जीवन विरलों को ही प्राप्त होता है। लगभग पाँच पीढ़ियों ने उन्हें मंत्रमुग्ध हो कर सुना है और हृदय से सम्मान दिया है। उनके पिता ने जब अपने अंतिम समय में घर की बागडोर उनके हाथों में थमाई थी, तब उस तेरह वर्ष की नन्ही जान के कंधे पर छोटे छोटे चार बहन-भाइयों के पालन की जिम्मेवारी थी। लता जी ने अपना समस्त जीवन उन चारों को ही समर्पित कर दिया। और आज जब वे गयी हैं तो उनका परिवार भारत के सबसे सम्मानित प्रतिष्ठित परिवारों में से एक है। किसी भी व्यक्ति का जीवन इससे अधिक सफल क्या होगा भारत पिछले अस्सी वर्षों से लता जी के गीतों के साथ जी रहा है। हर्ष में, विषाद में,ईश्वर भक्ति में, राष्ट्र भक्ति में, प्रेम में, परिहास में हर भाव में लता जी का स्वर हमारा स्वर बना है। लता जी गाना गाते समय चप्पल नहीं पहनती थीं। गाना उनके लिए ईश्वर की पूजा करने जैसा ही था। लगभग सत्तर वर्ष के गायन कैरियर में लगभग 36भाषाओं में हर रस/भाव के 50 हजार से भी अधिक

गीत गाने वाली लता जी ने अपना पहले और अंतिम हिन्दी फिल्मी गीत के रूप में भगवान भजन ही गाया है। 'ज्योति कलश छलके' से 'दाता सुन ले' तक कि यात्रा का सौंदर्य यही है कि लताजी न कभी अपने कर्तव्य से डिगीं न अपने धर्म से इस महान यात्रा के पूर्ण होने पर हमारा रोम रोम आपको प्रणाम करता है लता जी।

कोई उनके घर जाता तो उसे अपने माता-पिता की तस्वीर और घर में बना अपने आराध्य का मन्दिर दिखातीं थीं। बस इन्ही तीन चीजों को विश्व को दिखाने लायक समझा था उन्होंने। सोच कर देखिये, कैसा दार्शनिक भाव है यह इन तीन के अतिरिक्त सचमुच और कुछ महत्वपूर्ण नहीं होता संसार में। सब आते-जाते रहने वाली चीजें हैं। कितना अद्भुत संयोग है कि अपने

विशेष राज्य के दर्जा पर NDA में विवाद गहराया, केंद्र से खैरात नहीं, अधिकार मांग रहे है

पटना। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में सियासी घमासान तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल के बिहार की नीतीश सरकार पर हमले के बाद अब जनता

दल यूनाइटेड (जेडीयू) के नेता उनपर हमलावर दिख रहे हैं। जेडीयू ने कहा है कि वह पीएम मोदी की केंद्र सरकार से खैरात नहीं, अधिकार मांग रहा है। ने आंकड़ों के आधार पर हमला किया। कहा कि बिहार को 2018 के बाद से केंद्र की तरफ से कम राशि मिल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि खुद बीजेपी के नेता और उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने 2022-23 के बजट से पहले केंद्रीय वित्त मंत्री से विशेष राज्य के दर्जे की मांग रखी थी। क्या वे गलत थे विशेष राज्य का दर्जा बिहार का हक है और इसके लिए संघर्ष जारी रहेगा। नीरज कुमार ने पूछा कि बीजेपी अध्यक्ष ने कैसे कह दिया कि बिहार सरकार काम नहीं कर रही है जेडीयू के प्रवक्ता निखिल मंडल ने तंज कसा कि संजय वे भूल जाते हैं कि बिहार सरकार चलाने का दायित्व जितना जेडीयू का है, उतना ही बीजेपी का भी है। केंद्र सरकार खैरात कुछ नहीं दे रही है, बल्कि वह बिहार का अधिकार है। उन्होंने कहा कि संजय जायसवाल के अनुसार बिहार को जीएसटी से फायदा हुआ तो वे यह समझ लें कि बिहार उपभोक्ता प्रधान राज्य है, इस कारण इस मामले में वह आगे है। साथ-साथ बिहार के जीएसटी में आगे रहने से केंद्र को भी बड़ा लाभ हो रहा है। उद्योग व बजट राशि खर्च नहीं होने की बात कर वे उद्योग मंत्री व वित्त मंत्री की काबिलियत पर भी सवाल खड़ा कर रहे हैं एक और जेडीयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने पलटवार किया कि बीजेपी अध्यक्ष को आर्थिक सर्वेक्षण ठीक से पढ़ना चाहिए। नीतीश कुमार के प्रयास से कोरोना महासंकट के बावजूद बिहार का प्रति व्यक्ति आय लगभग 1221 रुपये सालाना बढ़ा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कार्यशैली और उनकी साख के बल पर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलकर रहेगा और यह औद्योगिक प्रदेश बनेगा एनडीए में बीजेपी के सहयोगी दल हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) ने भी बिहार को विशेष दर्जा देने के पक्ष में बयान दिया है। राष्ट्रीय प्रवक्ता दानिश रिजवान ने पार्टी के अध्यक्ष जीतन राम मांझी के हवाले से कहा है कि बिहार को किसी भी कीमत पर विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। विशेष दर्जे का विरोध वही नेता करेगा, जिसमें बिहारी डीएनए नहीं है। यह प्रस्ताव सदन से भी पारित है। इसका विरोध करने वाले को बिहार छोड़ देना चाहिए। बिहार के हक से खिलवाड़ को जनता बर्दाश्त नहीं करेगी।

कांग्रेस छोड़ सकते हैं वरिष्ठ नेता अब्दुल मन्ना, करीबियों को बताई ये बात

कोलकाता। बंगाल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अब्दुल मन्ना पार्टी छोड़ सकते हैं। उनके करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी है। इस बाबत मन से संपर्क करने की कोशिश करने पर उन्होंने फोन नहीं उठाया। सूत्रों ने बताया कि मन्ना बंगाल कांग्रेस नेतृत्व के कामकाज के तरीके से खुश नहीं हैं। आसन नगरपालिकाओं के चुनाव के लिए पार्टी प्रत्याशियों के चयन में उनके मत को महत्व नहीं दिया गया। यहां तक कि उनके अपने शहर चांपदानी की नगरपालिका उम्मीदवारों को लेकर उन्होंने जो सुझाव दिए थे, उन पर विचार नहीं किया गया। सूत्रों ने आगे कहा कि मन्ना किसी अन्य पार्टी में जाने की नहीं सोच रहे बल्कि राजनीति से ही संन्यास लेने पर विचार कर रहे हैं। गौरतलब है कि मन्ना बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता भी रहे हैं। मन्ना ने अपने करीबियों से कहा है कि पार्टी के मौजूदा प्रदेश नेतृत्व के साथ काम करना उनके लिए संभव नहीं है। पार्टी के वरिष्ठ नेता होने के बावजूद नगरपालिकाओं के चुनाव के लिए पार्टी प्रत्याशियों की सूची तैयार करने को लेकर उनसे किसी तरह का परामर्श नहीं लिया गया।

नहीं रही महान गायिका भारत रत्न लता मंगेशकर, 92 के उम्र में ली आखिरी सांस

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। देश की महान गायिका और स्वर कोकिला से जाने जानी वाली लता मंगेशकर का निधन हो गया है। उनके निधन से बॉलीवुड इंडस्ट्री में शोक की लहर है। राजनीतिक दलों से लेकर बॉलीवुड से जुड़े दिग्गजों ने उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताया है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने ट्वीट करके ये जानकारी दी। बीते दिन उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया था, जिसके बाद उन्हें आईसीयू से वेंटिलेटर में रखा गया था।रविवार को शिवसेना सांसद संजय राउत ने ट्वीट करते हुए जानकारी दी कि महान गायिका लता मंगेशकर का निधन हो गया है। डॉक्टरों ने इससे पहले शनिवार को जानकारी दी थी कि लता मंगेशकर को स्वास्थ्य स्थिर होने के बाद वेंटिलेटर से आईसीयू शिफ्ट किया गया था लेकिन अचानक बीते रोज उनकी सेहत बिगड़ने लगी, जिसके बाद उन्हें फिर वेंटिलेटर पर रखा गया था। रविवार सुबह उन्होंने अस्पताल में ही

आखिरी सांस ली।पीएम ने दी श्रद्धांजलिपीएम नरेंद्र मोदी ने लता मंगेशकर के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, ङ्खलता दीदी के गानों ने कई तरह के इमोशन्स को उभारा। उन्होंने दशकों तक भारतीय फिल्म जगत के बदलावों को करीब से देखा। फिल्मों से परे, वह हमेशा भारत के विकास के बारे में भावुक थीं। वह हमेशा एक मजबूत और विकसित भारत देखना चाहती थी। अमर रहेंगी लता मंगेशकरलता मंगेशकर के निधन पर तमाम राजनीतिक और बॉलीवुड इंडस्ट्री के लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने ट्वीट करते हुए लिखा कि लता मंगेशकर हमेशा अमर रहेंगी। वहीं, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आज मैं मुंबई आया था और दुख भरा समाचार सुना। संगीत की दुनिया में उनके योगदान को कोई भुला नहीं सकता।बॉलीवुड इंडस्ट्री ने जताया दुखलता मंगेशकर के निधन के समाचार से बॉलीवुड इंडस्ट्री में शोक की लहर है। तमाम संगीतकारों ने उनके निधन को बड़ी क्षति बताया है। इससे पहले शनिवार की रोज लता की बहन आशा भोंसले ने अस्पताल पहुंचकर हाल जाना था। जब आशा अस्पताल से बाहर निकलीं थी तो उनके चेहरे पर मायूसी से अंदाजा लग गया था कि लता मंगेशकर की हालत ठीक नहीं है। उसके बाद रविवार यानि आज लता मंगेशकर के निधन की पुष्टि हुई।भारत रत्न से सम्मानित हुई थी लता मंगेशकर28 सितंबर 1929 को इंदौर में जन्मी लता मंगेशकर भारत की सबसे लोकप्रिय और आदरणीय गायिका थीं। उनका छः दशकों का कार्यकाल उपलब्धियों से भरा पड़ा है। लता जी ने लगभग तीस से ज्यादा भाषाओं में फिल्मी और गैर-फिल्मी गाने गाये हैं लेकिन उनकी पहचान भारतीय सिनेमा में एक पार्श्वगायक के रूप में रही है। अपनी बहन आशा भोंसले के साथ लता जी का फिल्मी गायन में सबसे बड़ा योगदान रहा है। लता की जादुई आवाज के भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया में दीवाने हैं। लता मंगेशकर को भारत सरकार ने 'भारतरतन से सम्मानित किया था।

जसरा ब्लॉक गोहनियां विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बसपा उम्मीदवार अजय कुमार का बसपा कार्यालय सीज

प्रयागराज । बारा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बसपा उम्मीदवार अजय कुमार बिना परमिशन के ए एस पब्लिक स्कूल गौहनिया विद्यालय में चुनाव कार्यालय बिना अनुमति के चला रहे थे जानकारी मिलते ही नायक मजिस्ट्रेट बारा पुलिस फोर्स के साथ खाली कराए

शासन प्रशासन चुनाव को लेकर चारों तरफ निगरानी कर रही है भाजपा से विधायक रहे डॉक्टर अजय कुमार टिकट ना मिलने की वजह से भाजपा पार्टी से इस्तीफा देकर बसपा का दामन पकड़े चुनाव कार्यालय बिना अनुमति के विद्यालय में खोल रखा शासन-प्रशासन इंक्वायरी करती हुई चुनाव कार्यालय को तत्काल हटवाया नायक मजिस्ट्रेट से बसपा के प्रत्याशी डॉ अजय कुमार ने अशब्द शब्दों का प्रयोग किया जिसमें बहस बाजी भी हुई अंत में प्रशासन एक्शन ले कर के तत्काल कार्यकर्ताओं को कार्यालय से बाहर निकाला चुनाव आयोग की अवहेलना का मामला सामने आया आचार संहिता का उलंघन शासन प्रशासन का आदेश आचार संहिता का पालन करें अवहेलना करने वाले प्रत्याशी बक्से नहीं जाएंगे

चुनाव से पहले सेक्टर 44 मे मिला 3.70 करोड की नगदी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। उत्तर प्रदेश में 10 फरवरी को पहले चरण का विधानसभा चुनाव होना है। इसे लेकर पुलिस और प्रशासन सतर्क हैं। इस बीच उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गौतम बुद्ध नगर जिले में लागू आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करने के क्रम में कार्रवाई करते हुए जिला पुलिस ने सोमवार

को सेक्टर-44 स्थित एक मकान से 3.70 करोड़ रुपये नकद बरामद किए है नोएडा में विधानसभा सीटों के लिए 10 फरवरी को पहले चरण में मतदान होना है। पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि प्रेमपाल सिंह नागर के मकान की दूसरी मंजिल से करीब 3.70 करोड़ रुपये की नकद रकम बरामद हुई है। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी आयकर विभाग को दे दी गई है और वह आगे की कार्रवाई कर रहा है।

नौगवां गांव स्थित गौशाला में कार्यरत चौकीदार को अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से मारकर किया घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

सूनायक पटेल (55) पुत्र अर्जुन पटेल निवासी नौगवा (बहांपार) थाना कौंधियारा, प्रयागराज, जो नौगांवा गौशाला में चौकीदारी का काम करते हैं। बीती रात अज्ञात लोगों द्वारा धारदार धारदार हथियार से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल दाखिल कराया गया है। थाना प्रभारी कौंधियारा फोर्स के मौके पर पहुंचे और घटित वारदात की जांच पड़ताल करने में जुटे हुए हैं। घटना प्रयागराज के यमुनापार कौंधियारा थाना क्षेत्र के नौगावा गांव की है जहां पर स्थित गौशाला में कार्यरत चौकीदार शिव नायक लाल पटेल पुत्र अर्जुन पटेल को देर रात अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से मारकर घायल कर दिया सूचना पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा घायल को अस्पताल भेजकर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

सीतापुर के बागी प्रत्याशी ने बदला सीतापुर सदर सीट का माहौल

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर । सदर विधानसभा में भाजपा के लिए 21 वर्ष तक संघर्ष करने वाले जमीनी नेता सकेत मिश्रा अब निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना पर्चा भर चुके हैं एवं भाजपा के बागी प्रत्याशी हो चुके हैं निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतर कर भाजपा के लिए उन्होंने दिक्कतें बढ़ा दी हैं उनके इस निर्णय से भाजपा को बहुत नुकसान हो सकता है वहीं समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार राधेश्याम जयसवाल का जीत का रास्ता और आसान कर दिया है अपनी लोकप्रियता से साकेत मिश्रा सीतापुर सदर का माहौल ही बदल दिया है बाकी सीतापुर की जनता का असली मूड तो 10 मार्च को ही पता चलेगा जनता अगर परिवर्तन ही चाहेगी तो इस बार उनकी पहली पसंद साकेत मिश्रा होंगे हर वर्ग से साकेत मिश्रा को अच्छा समर्थन मिल रहा है। क्योंकि समाज सेवा करते हुए वह हमेशा चर्चा में रहते हैं और जनता के लिए बड़े बड़े अधिकारियों से भिड़ जाना उनके लिए आम बात है सोशल मीडिया पर उनके वीडियो हमेशा वायरल होते रहते हैं जनता के लिए लड़ते हुए।

पंकज सिंह ने प्रबुद्ध वर्ग के साथ संवाद कर विगत 5 वर्षों में भाजपा सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्यो का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी एवं वर्तमान विधायक पंकज सिंह ने आज नोएडा विधानसभा में संत निरंकारी भवन सेक्टर 44, हल्द्वानी, जलपुरा, बिशनपुरा सेक्टर 18 17 16 8 9 10 की झुग्गियों में जाकर जनसंपर्क कर आने वाली 10 फरवरी को कमल के चिन्ह पर बटन दबाकर उनको भारी मतों से विजयी बनाने का अनुरोध किया। आज पंकज सिंह ने भाउराव देवरस विद्या मंदिर सेक्टर 12 प्रबुद्ध वर्ग के साथ संवाद कर पिछले 5 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा नोएडा में जो 20 हजार करोड़ के विकास कार्य कराए गए। उनके साथ ही डॉ विनय सहस्रबुद्धे भी अथिति के रूप में रहे, साथ ही महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता भी रहे। जिसमें एम्यूज़मेंट पार्क फ्लाईओवर अंडरपास फुट ओवर ब्रिज गांव में पक्की सड़कों एवं नालियों का निर्माण सेक्टरों में पार्कों में ओपन जिम का निर्माण पार्क का सौंदर्यीकरण, अनेकों सड़कों का निर्माण बोटैनिकल गार्डन ओखला बर्ड सेंचुरी इत्यादि प्रमुख हैं पंकज सिंह ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने योगी जी के नेतृत्व में संपूर्ण उत्तर प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था सुनिश्चित करें जिससे नोएडा में प्रचुर मात्रा में विदेशी निवेश आया जो भविष्य में यहां के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में सहायक होगा पंकज सिंह ने कहा भारतीय जनता पार्टी की सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है और भाजपा के विकास का मतलब सिर्फ आर्थिक विकास ही नहीं अपितु सांस्कृतिक विकास उसे भी है इसीलिए आज श्री अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण प्रारंभ हो चुका तो वहीं दूसरी ओर विश्व की सबसे प्राचीन नगरी काशी में बाबा विश्वनाथ का भव्य कॉरिडोर भी बना, उन्होंने कहा यह मोदी जी की नेतृत्व क्षमता ही है कि आज आबू धाबी में भी भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है, उन्होंने

कहा कि यह मोदी जी की कुशल नीति एवं दूरदर्शिता का ही फल है कि आज भारत ब्रह्मोस मिसाइल विश्व के अनेक देशों को बेच रहा है जबकि आज से पहले भारत अत्याधुनिक हथियार सिर्फ आयात ही करता था, उन्होंने कहा की ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण उत्तर प्रदेश के डिफेंस कॉरिडोर में होने से समूचे उत्तर प्रदेश को लाभ होगा तथा यहां के युवाओं के लिए लाखों रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे, उन्होंने बताया कि किस प्रकार से भारत सबसे बड़ा मोबाइल आयातक देश था परंतु आज केंद्र एवं प्रदेश सरकार की कुशल नीतियों के फलस्वरूप भारत सबसे बड़े मोबाइल निर्यातक देशों में प्रमुख है पंकज सिंह ने कहा कि नोएडा आने वाले समय में अत्याधुनिक सुविधाओं संयुक्त एक अंतरराष्ट्रीय शहर बनेगा जिसमें जेवर एयरपोर्ट का महत्वपूर्ण योगदान होगा आज सोशल मीडिया के ट्वीट प्लेटफार्म पर भी पंकज सिंह छाए रहे आज वॉटर पार्क पूरा दिन टॉप ट्रेंड में नोएडा के पंकज सिंह हैशटैग चमकता रहा नोएडा वासी अपने विधायक पंकज सिंह के समर्थन में पूरे जोर-शोर से ट्विटर पर ट्रेंड करते रहे, सोशल मीडिया पर निसंदेह भारतीय जनता पार्टी विपक्षी दलों से मिलों आगे चल रही है पंकज सिंह ने सेक्टर 18 एवं 27 में जनसंपर्क कर व्यापारी वर्ग से उनको भारी बहुमत से विजयी बनाने का अनुरोध किया भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रामनिवास यादव के नेतृत्व में स्टीकर अभियान के अंतर्गत सभी स्थानों पर स्टिकर फरवरी को कमल के फूल का बटन दबाकर भाजपा प्रत्याशी पंकज सिंह को भारी मतों से विजयी बनाने का अनुरोध करते दिख आज पूरा नोएडा चप्पा चप्पा भाजपा के नारों से गुंजायमान हो उठा ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे नोएडा की जनता अपना मन बना चुकी है और आगामी 10 फरवरी को कमल के फूल पर बटन दबाकर भारतीय जनता पार्टी को पुनः विजयी बनाने जा रही है।

जेवर मे जातीय समीकरण मे फस गये है भाजपा प्रत्याशी धीरेन्द्र सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । जेवर विधानसभा सीट पर चुनावी मुकाबला बेहद

अवतार सिंह भड़ाना | धीरेन्द्र सिंह | नरेन्द्र भाटी डाबा

दिलचस्प हो गया है। मतदान का दिन नजदीक आते-आते इस सीट का चुनाव मान सम्मान, स्वाभिमान, चाणक्य नीति व जातीय गणित पर केंद्रित हो गया है विश्लेषकों का दावा है कि सपा रालोद गठबंधन ने इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी धीरेंद्र सिंह पर बढ़त बना ली है सब जानते हैं कि जेवर विधानसभा सीट को गुर्जर बाहुल्य सीट माना जाता है। वर्ष 2012 से पूर्व यह सीट आरक्षित श्रेणी में थी । 2012 के चुनाव में पहली बार सामान्य होने के बाद इस सीट पर बसपा प्रत्याशी के तौर पर वेदराम भाटी विधायक बने थे । 2017 में यह सीट धुर कांग्रेसी रहे धीरेंद्र सिंह ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन पकड़ कर जीती थी। इस बार फिर से धीरेंद्र सिंह भाजपा के प्रत्याशी हैं। उनके सामने बसपा के नरेंद्र सिंह भाटी एडवोकेट, कांग्रेस के मनोज चौधरी व सपा रालोद गठबंधन से चर्चित नेता अवतार सिंह भड़ाना प्रत्याशी हैं। चुनाव शुरू होते समय साफ लग रहा था कि धीरेंद्र सिंह इस सीट को आसानी से जीत लेंगे। मतदान का दिन नजदीक आते-आते समीकरण बदल गए हैं। क्षेत्र के गुर्जर समाज ने इस चुनाव को दादरी में हुए सम्राट मिहिर भोज मूर्ति प्रकरण से जोड़ लिया है। गुर्जर समाज का आरोप है कि भाजपा ने सम्राट मिहिर भोज की मूर्ति से गुर्जर जाति का नाम मिटा कर उनकी जाति का घोरअपमान किया है। अब वे वोट की चोट से उस अपमान का बदला लेकर अपना स्वाभिमान बहाल करेंगे। क्षेत्र में हार जीत का निश्चय करने वाला मुस्लिम वोटर खामोश है किंतु उसे स्वभाविक रूप से सपा-रालोद गठबंधन का वोट माना जा रहा है। यहां जाट समाज की अच्छी खासी संख्या है। यह समाज किसान आंदोलन के कारण भाजपा के खिलाफ व गठबंधन के पक्ष में गोलबंद नजर आ रहा है यह बात तो रही मान सम्मान व स्वाभिमान की। इस सीट पर एक बड़ी चाणक्य नीति भी काम कर रही है । गौतमबुधनगर जिले के बड़े नेता व क्षेत्रीय सांसद डॉ महेश शर्मा का भाजपा प्रत्याशी धीरेंद्र सिंह से 36 का आंकड़ा जगजाहिर है। श्री शर्मा यूं तो खुलकर कुछ नहीं बोल रहे हैं किंतु वे यहां अपनी चाणक्य नीति का भरपूर सदुपयोग करते हुए बताए जाते हैं। यही कारण है कि भाजपा संगठन का एक भी बड़ा चेहरा यहां भाजपा के पक्ष में वोट मांगता हुआ नजर नहीं आ रहा है। इस पूरी जद्दोजहद के बीच यदि ब्राह्मण समाज का पूरा वोट अवतार सिंह भड़ाना के पक्ष में पड़ गया तो इस सीट पर बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का दावा है कि जेवर सीट पर मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है। विश्लेषक बसपा प्रत्याशी नरेंद्र सिंह भाटी एडवोकेट को भी कमतर नहीं आंक रहे हैं किंतु चुनाव स्वाभिमान, चाणक्य नीति तथा जातिगत आंकड़े तथा प्रदेश में चल रही बदलाव की हवा में रालोद की तरफ पूरी तरह झुका हुआ नजर आ रहा है।

'महाभारत' के 'भीम' ने हारी जिंदगी की जंग, 74 साल की उम्र में प्रवीण कुमार सोबती का हुआ निधन

नई दिल्ली। लता मंगेशकर के बाद एक बार फिर से मनोरंजन जगत से बुरी खबर सामने आई है। छोटे पर्दे के मशहूर पौराणिक सीरियल 'महाभारत' में भीम का किरदार निभाने वाले अभिनेता प्रवीण कुमार सोबती का निधन हो

गया है। वह 74 साल के थे। प्रवीण कुमार सोबती अपनी जिंदगी के आखिरी दिनों में काफी बीमार थे और आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे। उनके निधन की जानकारी बेटी ने दी अंग्रेजी वेबसाइट इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए प्रवीण कुमार सोबती की बेटी ने कहा कि उनका निधन हार्ट अटैक की वजह से सोमवार रात 9.30 बजे हुआ था। वह दिल्ली में अपने घर पर थे। प्रवीण कुमार सोबती ने टीवी सीरियल के अलावा बॉलीवुड की कई फिल्मों में भी काम किया और खूब सुर्खियों बटोरी थीं। वह अपने कद काठी की वजह से भी हमेशा चर्चा में रहते थे। उन्होंने धर्मेंद्र, राजेश खनन, संजय दत्त और सनी देओल जैसे कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया था। प्रवीण कुमार सोबती फिल्मों में ज्यादातर विलेन की भूमिका अदा करते थे, जिसे दर्शक खूब पसंद भी करते थे। आज सुबह ही एक और दुःखद समाचार मिला। मेरा महाभारत का भाई प्रवीण कुमार जी हम सबको छोड़कर अनंत यात्रा पे चला गया। विश्वास नही हो रहा। पा जी, आप हमेशा हमारी यादों में रहेंगे। केवल एक्टिंग ही नहीं बल्कि प्रवीण कुमार सोबती खेल को लेकर काफी चर्चित थे। वह पंजाब से संबंध रखते थे। प्रवीण कुमार सोबती हैमर और डिस्कस थ्रो एथलीट थे। वह चार बार के एशियाई खेलों के पदक विजेता 2 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य रहे थे। और उन्होंने दो ओलंपिक खेलों (1968 मैक्सिको खेलों और 1972 म्यूनिख खेलों) में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वह अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित हो चुके थे। खेल के कारण ही प्रवीण को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में डिप्टी कमांडेंट की नौकरी मिली। हालांकि उन्हें वह नौकरी छोड़ अभिनय की ओर करियर बनाने का फैसला किया। गौरतलब है कि बीते दिनों अपनी आर्थिक तंगी को लेकर प्रवीण कुमार सोबती सरकार से मदद की गुहार लगाई थी। हाल ही में उनकी माली हालत बहुत खराब थी जिसके चलते उन्होंने सरकार से आर्थिक मदद की अपील की थी। अभिनेता ने अपनी शिकायत में कहा कि पंजाब में सरकार बनाने वाली सभी पार्टियों से मुझे शिकायत है। जितने भी खिलाड़ी एशियन गेम्स खेलते हैं या मेडल जीतते हैं, उन्हें पेंशन दी जाती है। हालांकि इस अधिकार से मुझे वंचित रखा गया। प्रवीण कुमार सोबती ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मैं 76 साल का हो गया हूं। काफी समय से घर में ही हूं, तबीयत ठीक नहीं रहती है। खाने में भी कई तरह के परहेज हैं, स्पाइनल प्रॉब्लम है। घर में पत्नी वीना देखभाल करती है। एक बेटी की मुंबई में शादी हो चुकी है। उस दौर में भीम को सब जानते थे, लेकिन अब सब भूल गए हैं।' हाल ही में मीडिया के सामने अपनी परेशानी बताते हुए प्रवीण कुमार सोबती ने कहा कि कोरोना के दौरान दुनिया के रिश्तों की असलियत सामने आ चुकी है। उन्हें यह शिकायत है कि पंजाब की जितनी भी सरकारें आईं उन्हें पेंशन से वंचित ही रखा गया।

लता मंगेशकर के निधन के दो दिन बाद श्रद्धा कपूर ने शेयर की उनके साथ अपनी थ्रोबैक तस्वीरें, दोनों के बीच है खास रिश्ता

नई दिल्ली। स्वरकोकिला लता मंगेशकर का नधिन 92 साल की उम्र में लंबी बीमारी के चलते हुआ। उनके निधन की खबर ने हर को

तोड़ कर रख दिया। आज हर कोई गायिक के जाने के गम से काफी दुखी है। लता दीदी के निधन के बाद सोशल मीडिया पर उनके फैंस, सेलेब्स और परिवार के लोग न सिर्फ उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं बल्कि उनके साथ बिताए अपने खास पलों की तस्वीरें भी शेयर कर रहे हैं। वहीं अब लता मंगेशकर के निधन के दो दिन बाद उनकी नातिन यानी एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने गायिक संग अपनी कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। इन थ्रोबैक तस्वीरों में दोनों के बीच के खास और प्यार भरे रिश्ते को साफ महसूर किया जा सकता है। यहां देखें तस्वीरें एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर लता मंगेशकर संग अपनी कई कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि श्रद्धा अपनी आजी यानी लता जी के साथ कितनी खुश नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में श्रद्धा कपूर, लता दीदी के साथ बैठी हुई दिख रही हैं। इस दौरान वह श्रद्धा की उम्र काफी कम है। वहीं दूसरी तस्वीर में लता जी के साथ एक लड़का नजर आ रहा है। वहीं तीसरी तस्वीर की बात करें तो इसमें गायिका काफी कम उम्र की दिख ही हैं। इन ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों में उनके प्यार के रंगों को साफ देखा जा सकता है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए श्रद्धा कपूर ने बेहद खास कैप्शन लिखा है। वह लिखती हैं, 'मैं आपके साथ कीमती पलों को साझा करने के सम्मान को हमेशा संजो कर रखूंगी। मेरे सिर पर आपका हाथ, आपकी सन्हे भरी निगाहें, प्रोत्साहन के लिए आपके प्यार भरे शब्द। सादगी, दिव्यता, उत्कृष्टता और अनुग्रह के लिए धन्यवाद। वास्तव में अब तक का सबसे महान! आई लव यू लता आजी।' आपको बात दें कि श्रद्धा कपूर के नाना और लता मंगेशकर कजिन हैं यानी की श्रद्धा की मां शिवांगी कपूर, लता मंगेशकर की भतीजी हैं। इस लिहाज से श्रद्धा, लता मंगेशकर की नातिन हुईं।

इस बात को सोचकर लता मंगेशकर के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुए धर्मेंद्र, अब एक्टर ने बताई ये खास वजह

नई दिल्ली। अपनी खूबसूरत आवाज से लाखों दिलों को जीतने वाली गायिका लता मंगेशकर ने अब इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। उन्होंने 6 फरवरी को अंतिम सांस ली। लता मंगेशकर के निधन

से देश में शोक का माहौल है। रविवार शाम को मुंबई के शिवाजी पार्क में भारत रत्न लता मंगेशकर का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया था। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा कई फिल्मी हस्तियों ने हिस्सा लिया। वहीं कुछ ऐसे भी फिल्मी सितारे रहे जो लता मंगेशकर को अंतिम विदाई देने नहीं पहुंच सके। उनमें से एक दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र भी थे। धर्मेंद्र लता मंगेशकर के अंतिम संस्कार में नहीं जा सके। अब दिग्गज अभिनेता ने इसके पीछे की वजह का खुलासा किया है। जिसको जानकर उनके फैंस भी हैरान हो सकते हैं। लता मंगेशकर के अंतिम संस्कार के बाद धर्मेंद्र ने अंग्रेजी वेबसाइट टाइम्स ऑफ इंडिया से बात की। इस दौरान दिग्गज अभिनेता ने यह बताया कि वह लता मंगेशकर के अंतिम संस्कार में क्यों नहीं जा सके। धर्मेंद्र ने कहा, 'मैं बहुत असहज और बेचैन था। मैं कल दीदी के अंतिम संस्कार में जाने के लिए एक बार नहीं बल्कि तीन बार तैयार हुआ। लेकिन हर बार, मैंने खुद को पीछे खींच ले रहा था।' धर्मेंद्र ने आगे कहा, 'मैं उन्हें हमें ऐसे छोड़कर जाते हुए नहीं देखना चाहता था। कल लता मंगेशकर के निधन की खबर सुनकर मैं बहुत असहज और बेचैन महसूस करने लगा था। मैं आपको यह भी बताना चाहता हूं कि वह कभी-कभार मुझे तोहफे भी भेजती थीं। वह मुझे काफी मोटिवेट करते हुए आगे बढ़ाती थीं और मुझसे 'मजबूत बने रहो' कहती रहती थीं। मुझे याद है कि मैंने एक बार ट्विटर पर थोड़ा उदास पोस्ट लिखा था और उन्होंने तुरंत फोन किया और पूछा कि क्या मैं ठीक हूं और मुझे खुश करने के लिए 30 मिनट तक मुझसे बात की। अक्सर, हम 25-30 मिनट तक बातें करते थे। उन्होंने मुझे प्यार किया।' आपको बता दें कि लता मंगेशकर ने 6 फरवरी को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में आखिरी सांस ली। वह पिछले महीने कोरोना वायरस की चपटे में आ गई थीं। जिसके बाद था। हालांकि कुछ समय बाद लता मंगेशकर की तबीयत में थोड़ा सुधार आ गया था, लेकिन 5 फरवरी को फिर से उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद लता मंगेशकर को फिर से वेंटिलेटर पर रखा गया और 6 फरवरी को वह जिंदगी की जंग हार गईं।

दीपिका पादुकोण की 'गहराइयां' समेत इस हफ्ते रिलीज होने वाली हैं ये फिल्में और वेब सीरीज

नई दिल्ली। कोरोना वायरस मामले कम होने के बाद एक बार फिर सिनेमाघरों में फिल्मों की रिलीज का सिलसिला शुरू हो रहा है। 11 फरवरी को राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर की बधाई दो सिनेमाघरों में आने वाली है। वहीं, तेलुगु फिल्म खिलाड़ी भी हिंदी में

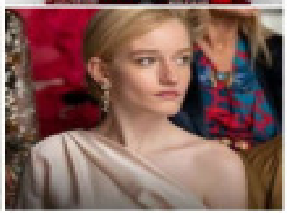

रिलीज होगी। दूसरी ओर, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इस हफ्ते दीपिका पादुकोण का डेब्यू हो रहा है। अमेजन प्राइम वीडियो पर आ रही गहराइयां दीपिका की पहली फिल्म है, जो सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है। शकुन बत्रा निर्देशित इस फिल्म में अनन्या पांडेय, सिद्धांत चतुर्वेदी और धैर्य कारवा लीड रोल्स में हैं। इस फिल्म का निर्माण करण जौहर ने किया है। फिल्म पैनडेमिक के दौरान ही शूट की गयी है। फिल्म 11 फरवरी को प्राइम वीडियो पर आ रही है। 11 फरवरी को ही एमएक्स प्लेयर पर क्राइम-पॉलिटिकल सीरीज रक्तांचल का दूसरा सीजन स्ट्रीम किया जा रहा है। शो की पृष्ठभूमि में उत्तर प्रदेश का पूर्वांचल इलाका है और कहानी गैंगस्टर से नेता बने बाहुबली वसीम खान और बदले के लिए उसके सामने खड़े पढ़े-लिखे युवा विजय सिंह की है। निकितन धीर, क्रांति प्रकाश झा, आशीष विद्यार्थी के साथ दूसरे सीजन में करण पटेल और माही गिल भी अहम किरदारों में दिखेंगे। 11 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर इनवेंटिंग एना रिलीज होगी। यह अमेरिकन ड्रामा मिनी सीरीज है, जिसे शोंडा राइम्स ने क्रिएट किया है। इस सीरीज में जूलिया गारनर लीड रोल में हैं। सीरीज न्यूयॉर्क आर्टिकल हाऊ एना डेलवी ट्रिक्ड न्यूयॉर्क्स पार्टी पीपुल पर आधारित है। 11 को ही प्लेटफॉर्म पर टॉल गर्ल आएगी, जो अमेरिकन रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन एमिली टिंग ने किया है। इसका स्क्रीनप्ले सैम वुल्फसन ने लिखा है। यह 2019 में आयी टॉल गर्ल का सीक्वल है। इस हफ्ते दो कोरियन ड्रामा सीरीज भी आ रही हैं। 9 फरवरी को डिजनी प्लस हॉटस्टार पर कोरियन ड्रामा सीरीज सनेड्रॉप का पहला एपिसोड रिलीज होगा। इसके बाद हर हफ्ते इसका नया एपिसोड आएगा। यह एक पीरियड ड्रामा है, जिसमें राजनीतिक उथल-पुथल के बीच एक प्रेमी जोड़े के संघर्ष को दिखाया जाएगा। सीरीज में कुल 16 एपिसोड्स हैं और जुंग हे-इन और जिसू लीड रोल में हैं। 12 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर कोरियन ड्रामा सीरीज ट्वेंटी फाइव ट्वेंटी वन आएगी। इस सीरीज का निर्देशन जुंग जी-ह्यून ने किया है। सीरीज में किम टे-री और नाम जू- ह्यूंक, बोना और ली जू-म्यूंग लीड रोल्स में हैं।

उर्फी जावेद की इस ड्रेस को समझना थोड़ा मुश्किल है, पर सेंस ऑफ ह्यूमर का जवाब नहीं

नई दिल्ली। उर्फी जावेद सोशल मीडिया की उन सेलेब्रिटीज में शामिल हैं, जो अपने ड्रेसिंग सेंस

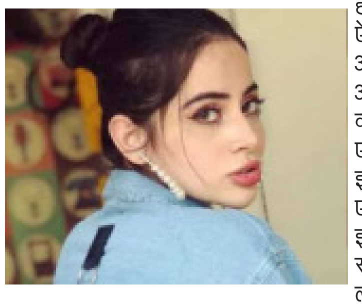

के साथ अक्सर खबरों में रहती हैं। उर्फी बेहिचक अजीबो-गरीब ड्रेसेज पहनती हैं और पूरे आत्म-विश्वास के साथ ना सिर्फ सड़कों पर निकलती हैं, बल्कि फोटोशूट भी करवाती हैं। उनकी ड्रेसेज देखकर यूजर्स कभी हंसते हैं, कभी ताना मारते हैं, कभी मजाक उड़ाते हैं, मगर कभी-कभी उर्फी कुछ ऐसा कर देती हैं कि फैंस और यूजर्स भी उनके सेंस ऑफ ह्यूमर की तारीफ करते हैं। उर्फी ने हाल ही में एक ऐसी ड्रेस पहनकर इसकी फोटो अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर साझा की और इसकी तुलना आमिर खान-सलमान खान की बेहद लोकप्रिय फिल्म के एक दृश्य से करके इसका नाम पूछा। तस्वीर में उर्फी ने जो पहना है, उसे समझना बेहद मुश्किल है। ऐसा लगता है कि उन्होंने डेनिम टी-शर्ट के पिछले हिस्से को फाड़ दिया और आगे का हिस्सा ऐसे ही छोड़ दिया है, जिससे उनकी पूरी पीठ दिख रही है। बीच में कुछ जंजीरें बांध दी हैं। इसके साथ उर्फी ने दूसरी फोटो शेयर की है, जिसमें एक शख्स की नंगी पीठ दिख रही है। इसके साथ उर्फी ने लिखा- काफी मिलता-जुलता है। मूवी के नाम का अनुमान लगाइए। कई फैंस ने सही जवाब दिया भी है। दरअसल, यह आमिर-सलमान की आइकॉनिक कॉमेडी फिल्म अंदाज अपना-अपना का एक दृश्य है, जो कलाकार शहजाद खान पर फिल्माया गया था। शहजाद ने इसमें विलेन तेजा के साइड किक भल्ला का किरदार निभाया था। इस दृश्य में एक बम फटने की वजह से भल्ला की ऐसी हालत हो जाती है। अपनी ड्रेस का इस दृश्य से तुलना करना उर्फी के सेंस ऑफ ह्यूमर को जाहिर करता है। उर्फी के इस बेबाक अंदाज से प्रभावित होकर एक यूजर ने लिखा- हमें यही जज्बा चाहिए। कुछ यूजर्स ने हमेशा की तरह उर्फी के ड्रेसिंग सेंस को लेकर ताने भी कसे हैं। कई यूजर्स ने इस फोटो में उनके लुक की तारीफ भी की है। उर्फी जावेद बिग बॉस ओटीटी में भाग लेने पर चर्चा में आयी थीं। अब एकता कपूर के शो लॉक अप में भी उनके शामिल होने की चर्चा है।

गोरी मैम' बन 'भाभी जी घर पर हैं' में एंट्री लेंगी 'गंदी बात' की ये एक्ट्रेस जल्द शो छोड़ने वाली हैं नेहा पेंडसे

नई दिल्ली। टीवी के मशहूर और चर्चित कॉमेडी शो 'भाभी जी घर पर हैं' में जल्द बड़ा बदलाव

देखने को मिलने वाला है। इस शो में अनीता भाभी उर्फ गोरी मैम का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री नेहा पेंडसे 'भाभी जी घर पर हैं' छोड़ने वाली हैं। अभिनेत्री ने मेकर्स के साथ बातचीत करने बाद आपसी सहमति से यह फैसला किया है। ऐसे में 'भाभी जी घर पर हैं' के मेकर्स को नई अनीता भाभी की तलाश है। इसको लेकर शो के मेकर्स कई अभिनेत्रियों से संपर्क में हैं। अब इस कड़ी में 'गंदी बात' और 'इनसाइड एज' जैसी वेब सीरीज में नजर आ चुकीं अभिनेत्री फ्लोरा सैनी का भी नाम शामिल हो गया है। अंग्रेजी वेबसाइट टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के अनुसार 'भाभी जी घर पर हैं' में फ्लोरा सैनी को अनीता भाभी के किरदार के लिए अप्रोच किया है। हालांकि इसको लेकर न तो शो के मेकर्स और न ही अभिनेत्री की ओर से आधिकारिक बयान आया है।

गौरतलब है कि इससे पहले जब सौम्या टंडन ने 'भाभी जी घर पर हैं' छोड़ने का फैसला किया था, तब भी फ्लोरा सैनी को अनीता भाभी के किरदार के लिए अप्रोच किया गया था। हालांकि बाद में इस किरदार के लिए नेहा पेंडसे को चुना गया था। वहीं इससे पहले ऐसी खबरें भी आई थीं कि नेहा पेंडसे के 'भाभी जी घर पर हैं' के बाद मेकर्स ने शो 'पिया अलबेला' की अभिनेत्री शीन दास को भी अप्रोच किया था। हाल ही में 'भाभी जी घर पर हैं' की एक यूनिट के हैड ने ने नेहा पेंडसे के शो छोड़ने की जानकारी देते हुए कहा था, हां, हम अनीता भाभी के किरदार के लिए एक नई अभिनेत्री को लाने की प्रक्रिया में हैं और अभिनेत्रियों का ऑडिशन ले रहे हैं। हमें कुछ हफ्तों में किसी को फाइनल भी करना है। नेहा पेंडसे का एक साल का कॉन्ट्रेक्ट था जो अप्रैल में खत्म हो जाएगा और वह इसे रीन्यू करने के लिए करने के विचार में नहीं हैं।' यूनिट हैड ने आगे कहा, 'उनके शो से बाहर निकलने का एक खास कारण उनका लंबा सफर है। उन्हें सेट पर आने के लिए एक घंटे लगते हैं और फिर घर वापस आने में घंटों बिताते हैं। इससे उनकी सेहत पर असर पड़ रहा है। मेकर्स और नेहा पेंडसे ने सोचा था कि वह इसे मैनेज कर लेंगे लेकिन अब यह मुश्किल होता दिख रहा है।'

देवों के देव महादेव' की 'पार्वती' ने पीछे से पूरी खुली ड्रेस पहन पूल किनारे किया बोल्ड डांस

नई दिल्ली। टीवी के धार्मिक शो 'देवों के देव महादेव' को दर्शकों ने खूब पसंद किया हैं। वहीं शो के हर कलाकार जैसे शिव का रोल नभिाने वाले मोहित रैना और पार्वती के रोल में दिखने वाली पूजा बनर्जी

को भी दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया है। शो में पार्वती का रोल निभाकर पूजा को काफी फेम मिला। पूजा इन दिनों अपनी बोल्ड तस्वीरों और वीडियोज को लेकर काफी सुर्खियों में बनीं हुई हैं। वह अक्सर ही अपनी बोल्ड तस्वीरों के जरिए फैंस को सरप्राइज देती नजर आ रही हैं। इसी बीच पूजा के एक वीडियो ने हर किसी को हैरान कर दिया है। यहां देखें वीडियो 'पार्वती' उर्फ पूजा बनर्जी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना एक बोल्ड वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह फुल बैकलेस शॉर्ट वनपीस ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। पूजा इस वडियो में पूल किनारे अपनी गर्लगैंग संग डांस करती दिख रही हैं। वहीं पूजा का ये वीडियो उनके बर्थडे के दौरान हुई पार्टी का नजर आ रहा है। इस दौरान पूजा ने ब्लैक चश्मा लगाया हुआ है। पूजा इस वीडियो में बेहद हॉट नजर आ रही हैं। वहीं इस वीडियो में एक्ट्रेस का बोल्ड अवतार देखकर हर कोई हैरान नजर आ रहा है। पूजा को इस वीडियो पर लगातार फैंस के रिएक्शन आ रहे हैं। वहीं इस पर कमेंट कर फैंस उन्हों हॉट, बोल्ड और फायर जैसे इमोजी भेजी रहे हैं। आपको बता दें कि हाल ही में पूजा बनर्जी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में पूजा के बिकिनी अवतार से हर किसी को हैरान कर दिया था। फोटोज में आप देख सकते हैं कि पूजा ने फ्लोरेंस ग्रीन कलर की जालीदार बिकिनी पहनी हुई है। वहीं इस बिकिनी के साथ पूजा ने स्टाइलिश चश्मा लगा रखा है। पहली तस्वीर में पूजा खड़े होकर पोज दे रही हैं। तो वहीं दूसरी तस्वीर में वह पूल के पास लेटे नजर आ रही हैं। इन दोनों ही तस्वीरों में वह बला की हॉट नजर आ रही हैं। वहीं उनकी ये तस्वीरें इंटरेट पर तेजी से वायरल हुई थीं।

लता मंगेशकर के अंतिम संस्कार पर शाह रुख खान संग पहुंची महिला का सच आया सामने

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमाजगत और म्यूजिक जगत का एक नायाब रतन यानी स्वरकोकिला लता मंगेशकर आज भले ही हमसे दूर हो गया हो, लेकिन वह हमेशा ही अपनी आवाज के जरिए हमेशा ही अपने चाहने वालों के दिलों में जिंदा

रहेगीं। लता मंगेशकर ने 6 फरवरी की सुबह लंबी बीमारी के चलते 92 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांसे ली। गायिका के निधन ने हर किसी को सदमे में ला दिया। बॉलीवुड के तमाम सितारे लता जी के अंतिम दर्शक के लिए पहुचें। ऐसे में सुपरस्टार शाह रुख खान भी खुद को उनकी एक झलक पाने से रोक नहीं पाए। शाह रुख लता मंगेशकर के निधन के उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए मुंबई के शिवाजी पार्क पहुंचे थे। उन्होंने दीदी को श्रद्धांजलि दी और उनके लिए दुआ भी पढ़ी। लता के पार्थिव शरीर के पास दुआ पढ़ने को लेकर शह रुख जमकर ट्रोल भी किए गए। लेकिन उनके साथ एक महिला भी दुआ पढ़ते हुए नजर आई थी। अब हर किसी के जहन में एक ही बात आ रही थी कि आखिर ये महिला है कौन इसी बात को लेकर सोशल मीडिया पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। इस दौरान की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं शाह रुख खान के साथ मुंबई के शिवाजी पार्क में लता मंगेशकर के पार्थिव शरीर के पास वो महिला कौन थी। जब शाह ने दुआ में हाथ उठाए तो महिला ने हाथ जोड़कर लता मंगेशकर के लिए प्रार्थना की। कई लोगों ने उनकी पतने गौरी समझा लेकिन वो गौरी नहीं थीं। अगर आपको भी कंफ्यूजन है कि शाह रुख के साथ आई महिला कौन थी, तो बता दें कि वह उनकी मैनेजर पूजा ददलानी थीं। पूजा को कई मौको पर शाह रुख और उनकी फैमिली के साथ देखा गया है। ऐसे में वह शाह रुख संग लता जी के अंतिम दर्शन के लिए कैसे न पहुंचती। शाह रुख खान की मैनेजर पूजा ददलानी अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा में बनीं रहती हैं। शाह रुख की फैमिली संग कई तस्वीरें पूजा सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं। वहीं गौरी खान के साथ पूजा की अच्छी दोस्ती है। दोनों को अक्सर साथ में घूमते और समय पार्टी करते देखा जाता है। वहीं शाह रुख के बेटे के ड्रग्स केस में फंसने के बाद पूजा को हमेशा आर्यन खान के साथ खड़ा देखा गया था। कोर्ट की सुनवाई के वक्त पूजा मौजूद रहती थीं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।